प्रयागराज, रविवार 21 दिसंबर 2025 से शनिवार 27 दिसंबर 2025 तक

वर्ष-13 अंक-49
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

संक्षिप्त समाचार

विपक्षी सांसदों ने किया संसद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन लगाए सत्यमेव जयते के नारे

नई दिल्ली। बुधवार को कई विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसदों ने 'सत्यमेव जयते; सत्य की जीत!' के नारे वाले पोस्टर पकड़े हुए थे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी नेशनल हेराल्ड में सरकार द्वारा अपनाई जा रही प्रतिशोधात्मक राजनीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इससे पहले आज, कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं ने बेलगावी के सुवर्ण सौधा स्थित गांधी प्रतिमा के पास नेशनल हेराल्ड मामले और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलकर वीबी-जी राम जी रखने के केंद्रीय सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

अहमदाबाद के तीन स्कूलों को बम की धमकी मिली पुलिस हाई अलर्ट पर

लखनऊ। अहमदाबाद के तीन स्कूलों को आज ईमेल के ज़रिए बम की धमकी मिली। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के जॉइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने बताया कि पुलिस टीमें संबंधित स्कूलों में मौजूद हैं। बुधवार सुबह अहमदाबाद के कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिलने से दहशत फैल गई और छात्रों को बाहर निकाला गया, क्योंकि पुलिस, फायर सर्विस और बम निरोधक टीमों ने पूरे शहर में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि जिन स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले, उनमें वेजलपुर-जीवराज पार्क में ज़ाइडस स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस, ज़ेबर स्कूल फॉर चिल्ड्रन, महाराजा अग्रसेन विद्यालय और डीएवी इंटरनेशनल स्कूल शामिल हैं।

ईडी की छवि धूमिल हो गई, नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर शिवकुमार ने साधा निशाना

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेशनल हेराल्ड की स्थापना की थी और यह देश का गौरव है। बेलगावी में विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड देश का गौरव है, जिसकी स्थापना जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान की थी। मेरा सिर्फ एक ही सवाल है: मुझे अभी तक एफआईआर की प्रति क्यों नहीं दी गई है? आज प्रवर्तन निदेशालय की छवि धूमिल हो गई है।

भारतीय सेना का अपमान, भाजपा पार्षद सादिनेनी यामिनी शर्मा ने पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद सदस्य सादिनेनी यामिनी शर्मा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर की गई हालिया टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कांग्रेस से नेता के बयान के लिए माफी मांगने का आह्वान किया। ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन ही भारत की हार के बारे में चव्हाण की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा परिषद सदस्य ने कहा, 'ये टिप्पणियां केवल ऑपरेशन सिंदूर का अपमान नहीं हैं; ये भारतीय सेना, राष्ट्रीय सुरक्षा और धार्मिक आतंकवाद में अपने पतियों को खोने वाली महिलाओं का सीधा अपमान हैं। शर्मा ने विपक्षी दल पर ऑपरेशन सिंदूर की अहमियत को न समझने और हमारे सैनिकों का अपमान करने, उन्हें नीचा दिखाने और जानबूझकर उनका मनोबल गिराने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि पहलगाम में क्या हुआ, जहां आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर पहचान करके 29 से अधिक हिंदू पुरुषों की बेरहमी से हत्या कर दी। इस बर्बर कृत्य के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया।

राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का उद्घाटन,पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, है नमन तुम्हें हे प्रखर वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में परम वीर दीर्घा का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद ही खास पोस्ट किया है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि हे भारत के परमवीरष्ठ है नमन तुम्हें हे प्रखर वीर! ये राष्ट्र कृतज्ञ बलिदानों परष्ठ भारत मां के सम्मानों पर! उन्होंने तस्वीरों को साक्षा करते हुए लिखा कि राष्ट्रपति भवन की परमवीर दीर्घा में देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि हैं। जिन वीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की, जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन दियाष्ठउनके प्रति देश ने एक और रूप में अपनी कृतज्ञता अर्पित की है। देश के परमवीरों की इस दीर्घा को, दो परमवीर चक्र विजेताओं और अन्य विजेताओं के परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्र को अर्पित किया जाना और भी विशेष है।मोदी ने कहा कि एक लंबे कालखंड तक, राष्ट्रपति भवन की गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे

थे। अब उनके स्थान पर, देश के परमवीर विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं। राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का निर्माण गुलामी की मानसिकता से निकलकर भारत को नवचेतना से जोड़ने के अभियान का एक उत्तम उदाहरण है। कुछ साल पहले सरकार ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कई द्वीपों के नाम भी परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे हैं।नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि ये चित्र और ये दीर्घा हमारी युवा पीढ़ी के लिए भारत की शौर्य परंपरा से जुड़ने का एक प्रखर स्थल है। ये दीर्घा युवाओं को ये प्रेरणा देगी कि राष्ट्र उद्देश्य के लिए आत्मबल और संकल्प महत्वपूर्ण होते है। मुझे आशा है कि ये स्थान विकसित भारत की भावना का एक प्रखर तीर्थ बनेगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, स्मरणोत्सव का मुख्य कार्यक्रम युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह था, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने दक्षिणी कमान के सभी रैंकों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन वीर सैनिकों, वायुसेना कर्मियों और नौसैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्र की संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया।

शेरों की धरती...इथोपिया की संसद में पीएम मोदी का भाषण सुन हिल गए दुश्मन!

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कहा कि उन्हें इथियोपिया में घर जैसा महसूस होता है, क्योंकि यह देश और उनका गृह राज्य गुजरात दोनों ही शेरों का घर हैं। उन्होंने यह टिप्पणी इथियोपिया की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए की। गौरतलब है कि यह विश्व की 18वीं संसद थी जहां प्रधानमंत्री मोदी ने भाषण दिया। उन्होंने कहा कि आज आपके समक्ष उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य का क्षण है। शेरों की भूमि इथियोपिया में होना अद्भुत है। मुझे यहाँ घर जैसा महसूस हो रहा है क्योंकि मेरा गृह राज्य, भारत का गुजरात भी शेरों की भूमि है। प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपिया की लोकतांत्रिक यात्रा की सराहना की और भारत की जनता की ओर से मित्रता का संदेश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का राष्ट्रगान और इथियोपिया का राष्ट्रगान दोनों ही

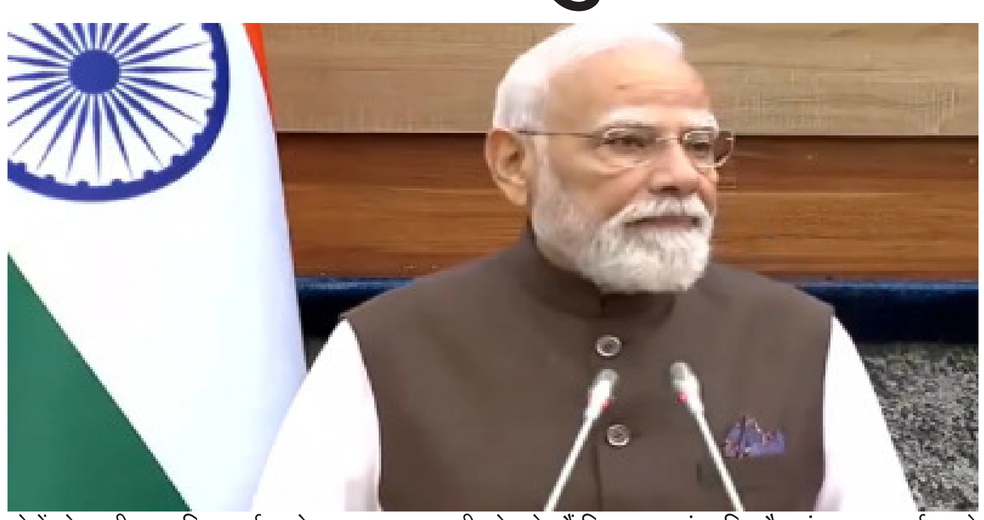

लोगों को अपनी मातृभूमि पर गर्व करने के लिए प्रेरित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं आपके संसद, आपकी जनता और आपकी लोकतांत्रिक यात्रा के प्रति अत्यंत सम्मान के साथ आपके समक्ष उपस्थित हुआ हूँ... भारत की 14 लाख जनता की ओर से, मैं मित्रता, सद्भावना और भाईचारे का संदेश लेकर आया हूँ। उन्होंने आगे कहा कि भारत का राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और इथियोपिया का राष्ट्रीय गान, दोनों ही हमारी धरती को माता कहते हैं। ये हमें अपनी विरासत, संस्कृति और सुंदरता पर गर्व करने और मातृभूमि की रक्षा करने के लिए प्रेरित करते हैं। इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान को प्राप्त करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे भारत की जनता की ओर से हाथ जोड़कर और विनम्रता से इस सम्मान को स्वीकार करते हैं। कल मुझे 'इथियोपिया का महान सम्मान निशान' प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैं भारत की जनता की ओर से हाथ जोड़कर और विनम्रता से इस पुरस्कार को स्वीकार करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विकासशील देश होने के नाते, भारत और इथियोपिया दोनों एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं और एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में 5 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है और 75,000 से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। हमने भारत-इथियोपिया द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है।

राहुल गांधी, कांग्रेस महात्मा गांधी के आदर्शों के विरोधी मनरेगा विवाद पर भाजपा के सीआर केसवन ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने बुधवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने का बचाव किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वे और उनकी पार्टी महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के 'विपरीत' हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा और ग्राम स्वराज के महात्मा गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। एएनआई से बात करते हुए केशवन ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के मामले में राहुल गांधी और कांग्रेस एक-दूसरे के विपरीत हैं। महात्मा गांधी ने राम राज्य का सपना देखा था, और कांग्रेस नेता भगवान राम का नाम तक लेने से कतराते हैं। यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा। यही वह कांग्रेस है जिसने सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर कर दावा किया था कि भगवान राम का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। महात्मा गांधी के बारे में बोलने का राहुल गांधी और कांग्रेस को क्या अधिकार है? केसवन ने कहा कि लोग राहुल गांधी के 'दिखावे' और 'पाखंड' को भलीभांति देख सकते हैं, और उन्होंने आगे कहा कि संशोधित कानून से श्रमिकों को कई गुना लाभ प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तनकारी विधेयक गारंटीकृत कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाता है, बेरोजगारी भत्ता प्रदान करता है, और सही मायने में सहकारी संघवाद का प्रतीक है। यह महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के दृष्टिकोण को साकार करता है, इसलिए हम इस सराहनीय पहल के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025, जिसे वीबी-जी राम-जी विधेयक भी कहा जाता है, पेश किया। इसका उद्देश्य दो दशक पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को प्रतिस्थापित करना है।

सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी मामला, एसआईटी ने टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को सबरीमाला मंदिर में कथित सोने की चोरी के मामले में पूर्व सबरीमाला प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को गिरफ्तार किया। श्रीकुमार उस समय प्रशासनिक अधिकारी थे जब सबरीमाला अय्यप्पन मंदिर से सोने की थालियां ले जाई गईं और बाद में वापस लाई गईं। श्रीकुमार इन दोनों मामलों के सिलसिले में गिरफ्तार होने वाला सातवां व्यक्ति है। केरल उच्च न्यायालय ने इससे पहले श्रीकुमार की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि उन पर लगे आरोप सिद्ध हो चुके हैं। उन्हें बुधवार को एसआईटी कार्यालय में पूछताछ के लिए तलब किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। श्रीकुमार की गिरफ्तारी के बाद, त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) की पूर्व सचिव एस जयश्री पर भी इस मामले में गिरफ्तारी का

खतरा मंडरा रहा है। जयश्री की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई। न्यायालय ने कहा था कि यदि दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी से पहले जमानत दे दी जाती है, तो मंदिर से सोने की चोरी की पूरी जांच ठप हो जाएगी और प्रभावी जांच 'अर्थहीन' हो जाएगी। न्यायालय ने यह भी कहा था कि श्रीकुमार और जयश्री दोनों को अच्छी तरह पता था कि थालियां मूल रूप से सोने की परत चढ़ी हुई थीं, लेकिन उन्होंने उन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जिनमें उन्हें तांबे का बताया गया था। अदालत द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारपालकों (संरक्षक देवताओं) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के सोने से मढ़े दरवाजों से गायब हुए दो मामलों की जांच कर रहा है। अब तक, एसआईटी ने टीडीबी के दो पूर्व अध्यक्षों और सीपीएम नेताओं ए पद्मकुमार और एन वासु सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्नीकृष्णन पोट्टी इस मामले में मुख्य आरोपी हैं, और बोर्ड के तत्कालीन अधिकारी मुरारी बाबू को भी गिरफ्तार किया गया है।

बांग्लादेशी नेताओं पर भड़के हिमंत बिस्वा सरमा, भारत विरोधी टिप्पणियों पर दे दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि बांग्लादेश में पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने और उसे बांग्लादेश का हिस्सा बनाने के बारे में चर्चा चल रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है क्योंकि भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक साल से बांग्लादेश में पूर्वोत्तर को भारत से अलग करके बांग्लादेश का हिस्सा बनाने को लेकर बार-बार चर्चा हो रही है। लेकिन भारत एक बहुत बड़ा देश है, परमाणु शक्ति संपन्न देश है।

पीएम से कोई नहीं पूछता कि वह कहां घूम रहे हैं? राहुल गांधी की जर्मनी यात्रा का इमरान मसूद ने किया बचाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की जर्मनी यात्रा को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच, पार्टी नेता इमरान मसूद ने उनका बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कोई सवाल नहीं उठाता।

मसूद ने कहा कि जॉर्डन के राजकुमार जैसे अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ देखे जाने पर प्रधानमंत्री की प्रशंसा और महिमामंडन किया जाता है, जबकि राहुल गांधी को अपनी विदेश यात्राओं के लिए जांच और आलोचना का सामना करना पड़ता है। मसूद ने एएनआई से कहा कि कोई प्रधानमंत्री से नहीं पूछता कि वह कहां घूम रहे हैं? प्रधानमंत्री मोदी जॉर्डन के राजकुमार के साथ हैं और उनकी प्रशंसा की जा रही है, जबकि विपक्ष के नेता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राहुल गांधी की पांच दिवसीय यात्रा की घोषणा संसद के शीतकालीन

सत्र के दौरान की गई थी, जिसके चलते भाजपा नेताओं ने व्यापक आलोचना की। उनका आरोप है कि उनकी बार-बार की यात्राएं भारतीय कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाती हैं। बर्लिन हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) ने गांधीजी का गर्मजोशी से स्वागत किया। आईओसी की टीम ने उनका पुष्पांजलि अर्पित की और उनके आगमन पर सभी के चेहरे पर मुस्कान थी। इसी बीच, दिन में पहले, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत के 'गिरते' विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और बताया कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, गांधीजी बीएमडब्ल्यू कारखाने के अपने दौरे के बारे में बात करते हुए कहते हैं, 'हम बीएमडब्ल्यू कारखाने गए थे - शानदार अनुभव रहा - और मुझे विशेष रूप से यह देखकर खुशी हुई कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है, और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी।

लूथरा बंधुओं को 5 दिन की पुलिस हिरासत गोवा की अदालत ने सुनाया फैसला

मुम्बई। गोवा के मापुसा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) न्यायालय ने बुधवार को गोवा नाइटक्लब अग्निकांड मामले में सौरभ और गौरव लूथरा बंधुओं को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इससे पहले दिन में, उत्तरी गोवा की अदालत ने 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के सह-मालिक गौरव और सौरभ लूथरा को पेश किए जाने के बाद उनकी दोबारा चिकित्सा जांच का आदेश दिया। स्वास्थ्य जांच के बाद लूथरा बंधुओं को अदालत में पेश किया गया। लूथरा बंधुओं को 6 दिसंबर की अग्निकांड में 25 लोगों की मौत के सिलसिले में थाईलैंड से निर्वासित किए जाने के बाद आज सुबह दिल्ली से गोवा लाया गया। उत्तरी गोवा के जिला अस्पताल में स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें मापुसा की अदालत में पेश किया गया।

अदालत ने आरोपियों को

दोबारा चिकित्सा जांच के लिए भेजने का निर्देश दिया। तदनुसार, दोनों को फिर से जिला अस्पताल ले जाया गया। गोवा पुलिस की एक टीम लूथरा बंधुओं के साथ सुबह 10:45 बजे उत्तरी गोवा के मोपा स्थित मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। दोनों को पहले चिकित्सा जांच के लिए सियोलिम के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बाद में उन्हें मापुसा के जिला अस्पताल ले जाया गया। दोनों भाइयों को अंजुना पुलिस स्टेशन ले जाया गया। एक घंटे से अधिक समय तक चले उनके स्वास्थ्य परीक्षण के बाद, दोनों को अंजुना पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जो वहां से लगभग 10 किलोमीटर दूर है। बाद में उन्हें अदालत में पेश किया गया। अरपोरा गांव में हुई अग्निकांड त्रासदी के बाद, अंजुना पुलिस ने लूथरा भाइयों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या सहित विभिन्न आरोपों में मामला दर्ज किया था।

आरोप हवा में तैरते रहे, कानून ने ज़मीन पर मज़बूती से अपना दबदबा बनाए रखा

नई दिल्ली। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले को सत्ताधारी पार्टी द्वारा रची गई झूठी साजिश बताते हुए इसे 'केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग' का स्पष्ट उदाहरण बताया। मीडिया को संबोधित करते हुए सिंहवी ने कहा कि आरोप निराधार हैं और इस मामले में हालिया फैसले पर राजनीतिक सत्ता के दबाव का प्रभाव है। नेशनल हेराल्ड मामला केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का प्रमाण है। आरोप लगाए गए थे, लेकिन निराधार थे और इस मामले में सत्ता के दबाव का अंतिम प्रभाव कल के फैसले पर पड़ा।

नेतन्याहू से मिलते ही जयशंकर ने किया बड़ा ऐलान, चौंकी दुनिया

पर्थ।पीएम मोदी मुस्लिम देशों के दौरे पर हैं तो वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर भी यहूदी देश इजराइल की यात्रा पर हैं। उनकी यात्रा ऐसे समय में हुई है जब सिडनी में यहूदियों पर आतंकी हमला हुआ है। जिसको लेकर दुनिया भर में गुस्सा है। इस हमले की भारत ने भी कड़ी निंदा की है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का दुनिया से आवाह्न किया है।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मिलकर सिडनी हमले पर इजराइल के लिए क्या ऐलान किया है कि जिसने जिहादियों के बीच खलबली मचा दी है। जयशंकर के ऐलान के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी इस्लामिक आतंकवाद पर क्या नई घोषणा कर दी है जिसने आतंकियों को बढ़ावा देने वाले देशों में हड़कंप मचा दिया है। दरअसल भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इजराइल पहुंचकर प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात

की। ये मीटिंग कई मायनों में अहम है। मुलाकात की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए एस जयशंकर ने लिखा कि यरूशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दी। टेक्नोलॉजी, अर्थव्यवस्था, कौशल और प्रतिभा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर उनके विचारों को महत दिया। तो व एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया में यहूदियों पर हुए अटैक को लेकर आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भारत और इजराइल दोनों ही आतंकवाद को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करेंगे।

यानी कि साफ है कि सिडनी हमले को लेकर भारत ने साफ कर दिया है कि जो भी इजराइल आतंकवाद के खिलाफ एक्शन लेगा भारत उसके साथ खड़ा है।

उधर सिडनी हमले को लेकर ट्रंप भी गुस्से में है। जहां उन्होंने हमले के बाद कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कर दिया था कि आतंकवादियों के मददगारों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। तो वहीं अब ट्रंप ने भी बहुत बड़ा ऐलान कर मुस्लिम देशों को चौंका दिया है। ट्रंप ने दुनिया भर के देशों से इस्लामिक कट्टरपंथ के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसएससी शिक्षक भर्ती की समय सीमा 8 महीने बढ़ाई बंगाल के शिक्षा मंत्री दिशा-निर्देश का जिक्र कर अपनी पीठ थपथपाई

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने राज्य को शिक्षकों की भर्ती के लिए अतिरिक्त समय दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एसएससी शिक्षकों की भर्ती की समय सीमा बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के परिणामस्वरूप, 'पात्र' शिक्षकों को 31 अगस्त तक उनका वेतन मिलेगा। शिक्षा मंत्री ब्रात्या बसु राज्य के पक्ष में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से खुश हैं। फैसले के तुरंत बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक संदेश पोस्ट किया। उन्होंने लिखा सुप्रीम कोर्ट ने 9वीं-10वीं और 11वीं-12वीं कक्षा के शिक्षकों की भर्ती के मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया को 31 अगस्त तक पूरा करने का आदेश दिया है, जो हमारे राज्य की माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सही मार्गदर्शन में विश्वास का एक शानदार उदाहरण है। इस अवधि के दौरान, पूर्व शिक्षक पहले की तरह काम करना जारी रख सकेंगे। न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ के इस आदेश से स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल केंद्रीय विद्यालय सेवा आयोग पारदर्शिता और जवाबदेही के सही मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि भर्ती प्रक्रिया 31 दिसंबर तक पूरी होनी चाहिए। तब तक, 'योग्य' शिक्षक स्कूलों में पढ़ा सकेंगे और उन्हें वेतन भी मिलता रहेगा। हालांकि, राज्य सरकार, एसएससी और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने समय सीमा बढ़ाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में एक आवेदन दायर किया। उस याचिका के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई की। वकील कल्याण बनर्जी ने कहा राज्य, एसएससी और बोर्ड स्तर पर भर्ती प्रक्रिया चल रही थी। हमने भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली है। हम 11वीं और 12वीं कक्षा के चयन प्रक्रिया के अंतिम परिणाम 7 जनवरी को प्रकाशित करेंगे। काउंसलिंग 15 जनवरी से शुरू होगी। 9वीं और 10वीं कक्षा की चयन प्रक्रिया मार्च के मध्य में समाप्त होगी।

फोरम ऑफ़ सिविल पेंशनर्स एसोसिएशन

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश यह अभ्यावेदन 25-03-2025 को वित्त विधेयक के साथ केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमों के वैधकरण के विधेयक के पारित किये जाने तथा 3नवम्बर 2025 के राजपत्र द्वारा अधिसूचित आठवें केन्द्रीय वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ़ रिफरेन्स से उत्पन्न चिंताओं के सम्बन्ध में है। हमारी चिंता टर्म्स ऑफ़ रिफरेन्स के पैरा ईएफ में उल्लेखित गैर अंशदायी पेंशन योजना की अनफंडेड लागत की शर्त जोड़े जाने से उत्पन्न हुई है। यह सातवें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ़ रिफरेन्स में नहीं था और इसी को लेकर हमारी चिंताएं बढ़ी है। हमारा मानना है कि यह शब्दावली अनुपयुक्त है क्योंकि यह संवैधानिक और न्यायिक रूप से संरक्षित पेंशन अधिकारों को वित्तीय बोझ मानती है और सभी पूर्ववर्ती वेतन आयोगों में सरकार द्वारा अपनाये गये मानवीय कल्याण के दृष्टिकोण के विपरीत है।

टर्म्स ऑफ़ रिफरेन्स में प्रयोग की गयी शब्दावली, कोई शाब्दिक चूक नहीं है बल्कि सरकार की सोच में आये बदलाव को प्रदर्शित करता है। पेंशनर्स को सरकार उस व्यवस्था के सही लाभार्थी के रूप में नहीं ले रही है जिसे उसने अपने पूरे सेवाकाल में समर्पण एवं त्याग से पोषित किया और बनाया बल्कि पेंशनर्स को कर दाताओं के पैसे पर पलने वाले गैर वाजिब भीड़ के रूप में चित्रित कर रही है। सरकार की इस तरह की सोच से ऐसे सभी कर्मचारी अपने को आहत महसूस करते हैं जिन्होंने अपने सम्मानजनक बुढ़ापे को सुनिश्चित करने के लिए अपने जीवन के स्वर्णिम काल को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया है।

पेंशन भोगी मौजूदा टर्म्स ऑफ़ रिफरेन्स को नकारात्मक मानता है और उसे यह आशंका है कि सरकार परोक्ष रूप से गैर वित्त पोषित व्यय के बहाने पुरानी पेंशन धारकों को वेतन आयोग की संस्तुतियों के लाभ से वंचित करना चाहती है। यह ध्यान देने योग्य है कि सर्वोच्च न्यायलय या उच्च न्यायलय के न्यायाधीशों या अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों की पेंशन के सन्दर्भ में अनफंडेड व्यय जैसी कोई शब्दावली का कभी भी प्रयोग नहीं किया जाता है जबकि उनकी पेंशन भी गैर अंशदायी है और भारत की समेकित निधि से ली जाती है। वित्त अधिनियम 2025 के साथ केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमों के वैधकरण के विधेयक के पारित होने तथा इसे 1 जून 1972 से प्रभावी होने से पेंशन भोगियों की चिंता और बढ़ गयी है। इन प्रावधानों के रहते केन्द्रीय सरकार के पास अब यह अधिकार हो गया है।

महिलाओं ने किया शिव मंदिर में जलाभिषेक, बच्चों ने भी उठाया झूले का लुफ्त

प्रयागराज। पूषी तेरस के पावन पर्व पर क्षेत्र के कुशगढ़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय वृहद मेले के दौरान दर्जनों से अधिक गांव के ग्रामीण महिलाओं,पुरुषों व बच्चों की भारी भीड़ उमड़ी रही। कई वर्षों से आयोजित दो दिवसीय मेले में चारों तरफ मेले में सजी तरह-तरह की दुकानों से लोगों ने जरूर की चीजें खरीदी।वहीं बड़ी संख्या में आई महिलाओं ने भी शिव मंदिर में पहुंचकर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हुए ढोल मजीरे के साथ मंगल गीत गाकर लोक कल्याण की कामना की। दूर दराज और क्षेत्र से आए कई दुकानदारों ने मिठाई, चाय पान, पकवान, गुड़जलेबी, दमालू, अमरूद,खाने की चीजों, घरेलू सामानों, हंसिया, फावड़ा, मिट्टी प्लास्टिक के बर्तन, लाई, मिठाई, गुड़, रेवड़ी गट्टा,मौसमी फलों के साथ-साथ और कई तरह की दुकानें सजाई थी,जहां पहुंचकर लोगों ने जरूरत के सामानों की जमकर खरीदारी भी की।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायबरेली (एम्स) ने मनाया 7वां स्थापना दिवस

रायबरेली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायबरेली (एम्स) ने अपना सातवां स्थापना दिवस बड़ी धूम - धाम से मनाया। स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार पॉल, सदस्य नीति आयोग रहे।मानद अतिथि डॉ. राधा रंगराजन ,एम्स के निर्देशक आर.बी. रमणी और कार्यकारी निदेशक अमिता जैन उपस्थित थे। कार्यक्रम को प्रारंभ करते हुए डॉ. अमिता जैन ने इन सात सालों में एम्स की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इन सात सालों में कुल 20 लाख बाह्य रोगी और 50 हजार मरीजों का उपचार किया गया। लगभग 12हजार सर्जरी की जा चुकी है और लगभग 71,50, 000 नैदानिक जांच संपन्न की जा चुकी है। चिकित्सा एवं संबद्ध पाठ्यक्रम में वर्तमान में कुल 1023 छात्र शिक्षा पा रहे हैं। संस्थान अवसंरचना, चिकित्सा सेवाएं,अकादमी सुविधा अनुसंधान गतिविधियों जैसे अपने सभी प्रकार के संसाधनों में निरंतर प्रगति कर रहा है और निकट भविष्य में नवाचार,समावेशिता व करुणा से प्रेरित मेडिकल शिक्षा, स्वास्थ, नैदानिक जांच एवं शोध में उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र बनने के अपने विजन को पूरा करने के प्रति आशान्वित है। वर्ष 2025 के दौरान अकादमिक उपलब्धियों हेतु प्रत्येक सत्र में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं विषय में अव्वल आने वाले छात्रों को पदक एवं प्रशस्ति पत्र के साथ पुरस्कृत किया गया। नर्सिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य निष्पादन के लिए तीन नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य निष्पादन हेतु एक अधिकारी को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को पद्मश्री विभूषित डॉ. आर.बी. रमणी,डॉ. राधा रंगराजन, एवम् मुख्य अतिथि डॉ.विनोद कुमार पॉल ने संबोधित किया।सभी ने एम्स की प्रगति के लिए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। सामुदायिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. भोलानाथ के धन्यवाद संभाषण के पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। कार्यक्रम में जिला प्रशासन से एडीएम (प्रशासन) श्री सिध्दार्थ एवं ए एस पी श्री संजीव सिन्हा, डीन (अकादमी) प्रो. अर्चना वर्मा, प्रो. आर. एस.बेदी, प्रो.प्रबल जोशी, प्रो.रजत शुभ्र दास सहित संस्थान के अन्य अधिकारी,कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

लोक सेवा आयोग के सामने अभ्यर्थियों का धरना, प्रयागराज में तनावपूर्ण माहौल

रिपोर्ट श्रीकांत शाह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के मुख्यालय के सामने बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्रों ने धरना-प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी आयोग की परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि हाल की परीक्षाओं में परिणाम, उत्तर कुंजी और मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग द्वारा समय पर और स्पष्ट जानकारी न दिए जाने से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इसी के विरोध में छात्रों ने धरना देकर अपनी आवाज बुलंद की।

धरने को देखते हुए आयोग परिसर और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा के मद्देनज़र बैरिकेडिंग की गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया।

छात्रों की प्रमुख मांगों में परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, उत्तर कुंजी और कट-ऑफ सार्वजनिक करना तथा परिणामों में कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच शामिल है। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। फिलहाल धरना शांतिपूर्ण बना हुआ है, लेकिन माहौल तनावपूर्ण है। प्रशासन और आयोग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, कोहराम

प्रतापगढ़। नाले में अचेतावस्था में लहूलुहान पड़े मिले युवक की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी। मौत की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया। लालगंज कोतवाली के पूरे तिलकराम इलाके में तिनमोहनिया के समीप एक नाले में मंगलवार की सुबह करीब दस बजे युवक के अचेतावस्था में पड़े होने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल युवक को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर ले आयी। यहां हालत गंभीर देख घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उधर पुलिस की छानबीन में युवक की पहचान लीलापुर थानान्तर्गत सरायताल सरैंया मकई निवासी चौवालिस वर्षीय दिनेश वर्मा पुत्र रामेश्वर वर्मा के रूप में हुई थी। घायल युवक ईरिक्शा चलाकर जीविकोपार्जन करता था। सोमवार की सुबह वह घर से ईरिक्शा लेकर निकला था। इसके बाद वापस घर नही लौटा था।

हर नारी सुरक्षित, हर बेटी सशक्त–मिशन शक्ति 5.0 में सोनभद्र पुलिस पूरी तरह सक्रिय'

मिशन शक्ति 5.0 : नारी सुरक्षा एवं जागरूकता को लेकर जनपद भर में चला व्यापक अभियान, स्कूल-कॉलेज से बाजार तक पहुँची पुलिस की टीम

आधुनिक समाचार

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत सोनभद्र पुलिस द्वारा जनपद-व्यापी जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए गए। अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सीधे संवाद स्थापित कर सुरक्षा व अधिकारों का संदेश पहुँचाया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी–मिशन शक्ति 5.0) के नेतृत्व में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाजारों, चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सघन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के

दौरान महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को महिला उत्पीड़न से बचाव, साइबर अपराधों के नवीन तरीकों, ऑनलाइन ठगी से सतर्कता, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, गुड टच-बैड टच की पहचान तथा आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों के बारे में सरल एवं प्रभावी ढंग से जानकारी दी गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि साइबर अपराधी अक्सर डर, लालच एवं झूठे प्रलोभन का सहारा लेते हैं, इसलिए किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी को साझा न करने की सख्त हिदायत दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया– 112 - आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 - महिला हेल्पलाइन 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन टीम ने उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा साइबर अपराध की सूचना देने पर पुलिस द्वारा तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। अंत में स्पष्ट संदेश दिया गया कि– 'नारी की सुरक्षा केवल दायित्व नहीं, सोनभद्र पुलिस का संकल्प है।' जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि हर महिला स्वयं को सुरक्षित, जागरूक और सशक्त महसूस कर सके।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज के भारत स्काउट एंड गाइड स्कूल के प्रांगण में सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम में पहुंचे

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज प्रयागराज के भारत स्काउट एंड गाइड स्कूल के प्रांगण में सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम में पहुंचे।

यहां उन्होंने विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1500 से ज्यादा बच्चे मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रख्यात गायिका एवं पद्म भूषण से सम्मानित सुश्री सोमा घोष वह उनकी टीम द्वारा वंदे मातरम गान प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि वंदे मातरम या एक गाना नहीं है बल्कि यह उन महान स्वतंत्रता सेनानियों की आत्मा का अस्तित्व है जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपने प्राण निछावर किए हैं। बंकिम चंद्र चटर्जी

स्वयं प्रयागराज की धरती से संबंधित है और उनका यही पर निवास रहा है। बंकिम चंद्र चटर्जी ने न केवल वंदे मातरम् गाने को लिखा है बल्कि उन्होंने सभी हिंदुस्तानियों के दिल में अंग्रेजी शासन और हुकूमत के खिलाफ एक ऐसी ज्वाला जगाई है जिसमें जलकर अंग्रेजी हुकूमत खाक हो गई। उन्होंने इशारों ही इशारों में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग वंदे मातरम के खिलाफ अपना प्रचार चला रहे हैं वह यह नहीं जानते कि अभी तो आधा वंदे मातरम का गाना गया जाता है जिस देश के दो टुकड़े करने में उन्हें सफलता मिली थी, लेकिन जिस दिन देश की पीढ़ी में यह तय कर लिया की वंदे मातरम को पूरा का पूरा गया जाएगा उसे दिन अखंड भारत बनने में देर नहीं होगी। अखिलेश यादव पर तंज करते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और शहजादे की जोड़ी ने मगध यानि पूरे बिहार में सिर्फ इतनी ही सीट जीत पाई जितना भी एक कर में बैठकर घूम सकते हो। यही हाल 2027 के चुनाव में होगा जब भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों के बल पर उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भगवा लहर दौड़ेगी और भगवान श्री राम के आशीर्वाद से हरे रंग के चादर वाले लोगों की पार्टी एक कार के अंदर सिमट कर रह जाएगी। उन्होंने आगामी आने वाले विकास के नए-नए युग परियोजनाओं के विषय में बोलते हुए कहा कि जल्द ही पूरे उत्तर प्रदेश में विकास की एक और ऐसी लहर दौड़ेगी इसके आगे न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश का विकास होगा युवा न केवल रोजगार पाएंगे बल्कि युवाओं के बीच आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी इसके अलावा वे नए-नए योजनाओं के चलते आर्थिक और सामाजिक लाभ भी पाएंगे क्योंकि जब युवाओं का विकास होगा तभी देश का विकास होगा और भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार इसके लिए कटिबद्ध है।

माघ मेलाः गंगा पर बनेंगे नौ पांटून पुल, फाफामऊ की ओर दो नए पुलों से मिलेगी जाम से राहत

रिपोर्ट सुधांशु शर्मा

प्रयागराज में आगामी माघ मेले को देखते हुए प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ करने का फैसला लिया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और संभावित जाम की समस्या से निपटने के लिए अब गंगा नदी पर कुल नौ पांटून पुल बनाए जाएंगे। इससे पहले सात पांटून पुल बनाने की योजना थी, लेकिन फाफामऊ की ओर यातायात दबाव को कम करने के उद्देश्य से दो अतिरिक्त पांटून पुल बनाने का निर्णय लिया गया है।

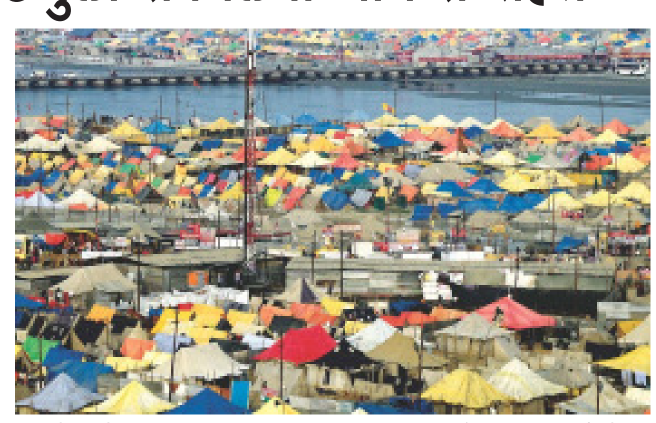

प्रशासन के अनुसार इन पांटून पुलों का निर्माण कार्य 15 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। फाफामऊ की ओर बनाए जा रहे पीपा पुलों पर 31 दिसंबर से आवागमन शुरू होने की संभावना है। वर्तमान में फाफामऊ को शहर से जोड़ने के लिए केवल चंद्रशेखर आजाद सेतु ही उपलब्ध है, जबकि सिक्स लेन पुल का निर्माण कार्य अभी अधूरा है।

माघ मेले के दौरान देशभर से करीब 15 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में शहर के भीतर और प्रमुख सेतुओं पर भारी यातायात जाम की आशंका बनी हुई है।फाफामऊ की ओर दो नए पांटून पुल बनने से लखनऊ, रायबरेली, अयोध्या. सुल्तानपुर और प्रतापगढ़ की दिशा से आने वाले श्रद्धालु सीधे संगम क्षेत्र तक पहुंच सकेंगे।

प्रशासन का मानना है कि इन अतिरिक्त पांटून पुलों से न केवल श्रद्धालुओं को संगम तक पहुंचने में सुविधा होगी, बल्कि शहर के भीतर वाहनों का दबाव भी बंटेगा और जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रयागराज में वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन हुआ संपन्न

प्रयागराज।राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस, प्रयागराज में जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज, श्री पी. एन. सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम मिश्रा के संयोजकत्व में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी महापौर, प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि श्री दिव्यकांत शुक्ल, पूर्व सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश व अध्यक्ष विद्याभारती (पूर्वी उत्तर प्रदेश), श्री आर.एन. विश्वकर्मा, संयुक्त शिक्षा निदेशक, प्रयागराज मंडल एवं श्री जितेंद्र प्रताप सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक ,प्रयागराज रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मानित अतिथियों द्वारा मां शारदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया।तत्पश्चात प्रधानाचार्या नीलम मिश्रा,लता कुमारी एवं किरण राय ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं स्मृतिचिह्न प्रदान करते हुए अभिनंदन किया।छात्राओं ने रोली अक्षत से अतिथियों का स्वागत और डॉ आकांक्षा केसरी(स्काउट प्रभारी) ने बैज अलंकरण किया। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी एन सिंह ने अपने स्वागत अभिभाषण में कहा कि शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, प्रयागराज की छात्राओं ने शिक्षा के साथ साथ खेल एवं अन्य कार्यक्रमों में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके उपरांत विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, गणेश वंदना, स्वागत गीत, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न प्रांतों के लोकनृत्य, जागरूकता संबंधी नाटक एवं विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रयागराज में गत सत्र में कक्षा 6 से 12 तक हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम की प्रत्येक कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं, राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं, राज्य स्तर पर क्रिकेट टीम में चयनित रानी यादव व कराटे में चयनित रितु पटेल, मंडल स्तरीय कबड्डी टीम में चयनित तथा अन्य शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका सम्मान व उत्साहवर्धन किया गया।

भगवान की भक्ति के बिना मुक्ति संभव नहीं है

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। गंगादीप नगर , नैनी में प्रारंभ हुई श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ में व्यास आसन को सुशोभित करने वाले कथा व्यास श्रद्धेय श्री राजेश कृष्ण शास्त्री जी महाराज (प्रयागराज) ने कथा के माध्यम से बताया कि अगर हमें भगवान को प्राप्त करना है तो अपने हृदय में भक्ति जगानी पड़ेगी और जब हमारे अंदर भक्ति आएगी तो धीरे-धीरे हमारे अज्ञानांधकार दूर होंगे और हमारे अंदर ज्ञान का प्रकाश आएगा और जब ज्ञान का प्रकाश आएगा तो धीरे-धीरे हम संसार से दूर होकर सब कुछ त्याग कर विरक्त होकर के भगवान की ओर बढ़ते हैं और दिन रात जब हम भगवत प्राप्ति की कामना से जब तप,यज्ञ, अनुष्ठान आदि कार्य करते हैं और हर कार्य को भगवान को समर्पित करके करते हैं तब कहीं जाकर के हमें भगवान की प्राप्ति होती है और जब भगवान मिलते है तो हमें आवागमन से मुक्ति मिल जाती है। कथा के यज्ञाचार्य आचार्य जयराम मिश्र जी ने बताया कि कथा का समय दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक है और समस्त क्षेत्रवासियों से समय से कथा में आकर श्रवण करने का आग्रह किया जिससे सभी ज्यादा से ज्यादा कथा का लाभ प्राप्त कर सकें। यह कथा फेसबुक और यूट्यूब पर राजेश कृष्ण शास्त्री जी की आईडी से लाइव प्रसारित है।

अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम सहित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस, सरकार से शीघ्र कार्रवाई की अपील

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। अधिवक्ताओं की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों को लेकर पहले आयोजित की जा चुकी अधिवक्ता अधिकार यात्रा के बाद अब अधिवक्ता समाज ने अपनी मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने हेतु आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यात्रा के माध्यम से उठाई गई मांगें आज भी जस की तस बनी हुई हैं और अब सरकार को इस पर ठोस निर्णय लेना चाहिए।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए यात्रा संयोजक अधिवक्ता प्रदीप धर तिवारी 'देवेश्वर' ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अधिवक्ताओं पर हमले, अपमान और उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का अहम स्तंभ हैं, परंतु स्वयं को सबसे अधिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय से लखनऊ तक आयोजित अधिवक्ता अधिकार यात्रा के दौरान अधिवक्ता समाज की पीड़ा और समस्याएं पूरी मजबूती से रखी गई थीं, लेकिन अभी तक शासन स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं दिख रही है। इसी को लेकर आज मीडिया के माध्यम से सरकार तक अपनी बात दोबारा पहुंचाई जा रही है।

अधिवक्ताओं की प्रमुख मांगें प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिवक्ताओं ने अपनी 7 सूत्रीय प्रमुख मांगों को दोहराया– 1. उत्तर प्रदेश में अविलंब अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू किया जाए। 2. वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए पेंशन योजना लागू की जाए। 3. अधिवक्ताओं को टोल टैक्स में छूट प्रदान की जाए। 4. सभी अधिवक्ताओं के लिए 20 लाख रुपये का जीवन बीमा सुनिश्चित किया जाए। 5. प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं को चैंबर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। 6. नव नामांकित अधिवक्ताओं को तीन वर्षों तक मासिक प्रोत्साहन राशि दी जाए। 7. हाईकोर्ट, जिला एवं तहसील न्यायालयों में चिकित्सा सुविधा एवं 100 बेड का अस्पताल स्थापित किया जाए। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो अधिवक्ता समाज आगे की रणनीति तय कर आंदोलन को और तेज करेगा। साथ ही सरकार से यह भी मांग की गई कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए तत्काल नीतिगत निर्णय लिए जाएं।

प्रयागराज की शेरनी खुशबू निषाद नंदा ने भारत के देश के उत्तर प्रदेश राज्य के ज़िला प्रयागराज का बढ़ाया मान एआईएमआईएम ने किया जोरदार स्वागत

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम महानगर यूनिट महानगर अध्यक्ष अफ़सर महमूद के निर्तेत्व में भारत की शान स्वर्ण पदक विजेता प्रयागराज की शेरनी खुशबू निषाद नंदा के घर जाकर उनका जोरदार स्वागत किया शॉल ओढ़ाकर फूल माला बुके देकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और आशा व्यक्त किया कि भविष्य में इसी तरह से वो भारत और अपने गृह जनपद प्रयागराज का मान बढ़ाती रहेगी खुशबू निषाद ने बेरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी की तारीफ करते हुए कहा मैं हैदराबाद में रहती थी उनके कामों को देखा और कहा मैं उनको आज की फोटो उनको टैग करूंगी और कहा कि बेरिस्टर साहब एक सच्चे देश भक्त हैं खुशबू निषाद के माता पिता भी हम लोगों की खुशी में साथ खड़े रहे और अतिथियों का मिठाई खिलाकर स्वागत किया ।महानगर की टीम में संघटन मंत्री सैय्यद इरशाद आलम महानगर प्रवक्ता इफ्तेखार अहमद मंदर,महानगर उपाध्यक्ष रियाजुल हक चौधरी, महानगर उपाध्यक्ष इफ्तेखार अहमद अंसारी शहर पश्चिम विधानसभा अध्यक्ष ज़ुबैर अहमद आदि लोग शामिल रहे ।

डीएम की अध्यक्षता पेंशनर्स दिवस का आयोजन, पेंशन धारकों के प्रकरणों का समयबद्ध प्राथमिकता से करें निस्तारण-डीएम

आधुनिक समाचार

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित जनपद के समस्त आहरण वितरण अधिकारियों को सेवानिवृत्ति, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों के पेंशन के लाभ को समय सीमा के अंतर्गत भुगतान किए जाने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा 90 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके पेंशन धारकों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में पेंशनर्स संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी से पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की गई। जिलाधिकारी ने पेंशन दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि पेंशन धारकों को चिकित्सा सुविधा देने हेतु लंबित पत्रावलियों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, जो कर्मचारी, अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं उनके देयकों का भुगतान की कार्रवाई शीघ्र की जाए,

सेवानिवृत्त कर्मियों के समस्त पेंशनरी देयक, चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति आदि का भुगतान समयबद्ध व प्राथमिकता के साथ किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार का विलम्ब न किया जाए।

इस मौके पर पेंशनरों द्वारा अपने विभाग से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया गया, पेंशनर्स संघ द्वारा ट्रेजरी से कोई समस्या न होना बताया गया। जिलाधिकारी ने अन्य विभागों से होने वाली समस्याओं के निस्तारण हेतु वरिष्ठ कोषाधिकारी को निर्देश दिए कि पेंशन धारकों के प्रकरणों का निस्तारण समय से किया जाए, जिससे पेंशनरों को किसी प्रकार की कोई समस्या न उत्पन्न हो।

इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी डा0 भावना श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण पेंशनर्स संगठनों के प्रतिनिधिगण व पेंशनर्स उपस्थित रहे।

सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

रायबरेली।गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर, रायबरेली में 'सप्त शक्ति संगम' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती निधि द्विवेदी, मुख्य वक्ता श्रीमती अर्चना सिंह, अध्यक्षा श्रीमती साधना शर्मा एवं समिति सदस्या श्रीमती वंदना बाजपेई की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन दिव्या सिंह द्वारा किया गया, जिसमें उपस्थित मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विशिष्ट माताओं के सम्मान के अंतर्गत श्रीमती प्रज्ञा सिंह एवं श्रीमती संध्या पाण्डेय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती रंजना साहू ने किया। प्रेरणादायी महिलाओं के संदेश एवं वेशभूषा प्रस्तुति के अंतर्गत आकृति तिवारी ने मीरा बाई, अन्विता सिंह ने रानी लक्ष्मीबाई, सान्वी सिंह ने भगिनी निवेदिता, अविका सिंह ने अहिल्याबाई होलकर, रुद्रिका सिंह ने भारत माता तथा निहारिका सिंह ने जीजाबाई की भूमिका का प्रभावशाली अभिनय किया।

20 टीबी रोगियों को वितरित की गयी पोषण पोटली

आधुनिक समाचार

रायबरेली। प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान के तहत विजय दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान तथा परेश कृपलानी एवं महेश कृपलानी जी के द्वारा राजकीय टीबी क्लीनिक पर जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ अनुपम सिंह की उपस्थिति में 20 क्षय रोगियों को पोषण पोटली दी गयी।

जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ अनुपम सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के टीबी मुक्त भारत अभियान के अनुरूप 'टीबी उन्मूलन 2025' का लक्ष्य पोषण और जागरूकता पर आधारित है। उप जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ शम्स रिज़वान ने कहा कि यह सहायता सिर्फ पोषण सामग्री नहीं है बल्कि यह टीबी रोगी को इस बात का विश्वास दिलाती है कि टीबी रोग की इस लड़ाई में वह अकेले नहीं हैं बल्कि समाज के अन्य लोग उनके साथ हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चन्द्रा रायबरेली ने कहा कि टीबी उपचार में पोषण की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है इस तरह के समाज सेवियों से ही अभियान को और मजबूती मिलती है। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चन्द्रा ने कहा कि दवाओं के साथ पर्याप्त पोषण उपलब्ध होना टीबी रोगियों की रिकवरी को तेज करता है एवं पोषण रोगियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। जिला प्रोग्राम

समन्वयक अभय मिश्रा ने कहा कि ऐसी सामाजिक सेवाएं रोगियों के उपचार व मनोबल दोनों को मजबूत बनाती हैं। जिला पब्लिक प्राइवेट मिक्स समन्वयक मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि जिन मरीजों को पोषण पोटली मिली है उनकी भी जिम्मेदारी है कि वे अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें कि किसी को भी दो सप्ताह से अधिक खांसी, खांसी के साथ खून का आना, सीने में दर्द होना, भूख न लगना, वज़न कम होना, बुखार का आना खास तौर से साम को चढ़ना साथ में पसीना आना, गले में गिल्टियों का होना, स्त्रियों में बांझ पन के लिए टीबी भी एक कारण है ये लक्षण किसी व्यक्ति को हो तो उसे नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर अवश्य भेजें ताकि मुफ्त सही जांच होगी यदि टीबी निकलती है तो उसे मुफ्त दवा दी जाएगी साथ ही भारत सरकार की तरफ से निःक्षय पोषण योजना के तहत 1000/- प्रति माह दिया जाएगा।

सीडीओ की अध्यक्षता में सांसद राज्यसभा जिला खेल प्रतियोगिता आयोजन की बैठक संपन्न

रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मा0 सांसद (राज्यसभा) जिला खेल प्रतियोगिता आयोजन के संबंध में जिला खेल एवं विकास प्रोत्साहन समिति के सदस्यों, खेल संघों के

प्रतिनिधियों व जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में प्रतियोगिता के संबंध में बजटीय प्रबंधन एवं खिलाड़ियों के उत्तम व्यवस्था हेतु गंभीर चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रतियोगिता से संबंधित समस्त विभाग अपने से संबंधित कार्यों को समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित कराए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय विकास दल अधिकारी,जिला उद्यान अधिकारी सहित सदर विधायक के प्रतिनिधि व जिला व्यायाम शिक्षक खेल विभाग के भिन्न-भिन्न खेलों के प्रशिक्षक गण भिन्न-भिन्न खेलों के सचिव गण आदि बैठक में उपस्थित रहे।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का आन्तरिक त्रैमासिक निरीक्षण राजनैतिक दलों के

प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचायें - रमेश चन्द्र कण्डे

रायबरेली। मा0 सदस्य, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, उत्तर प्रदेश के रमेश चंद्र कुण्डे ने जनपद रायबरेली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों संग पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बैठक कर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितों से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा की। मा0 सदस्य ने जनसुनवाई करते हुए सरकारी योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के लाभार्थियों से संवाद किया तथा यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं

पारदर्शी तरीके से पहुँचायें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाएँ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस क्रम में जनपद स्तरीय अधिकारियों को सतर्क एवं सक्रिय रहते हुए समयबद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर एस0डी0एम0 सचिन यादव, क्षेत्राधिकारी नगर अरूण कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

हर वर्ष के भाति राजा भइया यूथ बिग्रेड द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का हो रहा आयोजन

कुंडा प्रतापगढ़।राजा भइया यूथ ब्रिगेड के संयोजन और सेवाभाव में तथा योगीराज देवरहा बाबा चैरिटेबल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष के भाति इस वर्ष भी आयोजित हो रहा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन।प्रथम चरण कुंडा विकास खंड का सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हथिगवां में 22 दिसंबर को शुभारम्भ कर आयोजित किया जाना है,द्वितीय चरण स्वास्थ्य केंद्र बाघराय में 29 दिसंबर दिन सोमवार को तृतीय चरण स्वास्थ्य केंद्र बाबागंज 05 जनवरी दिन सोमवार एवं चतुर्थ चरण स्वास्थ्य केंद्र कुसुवापुर में 12 जनवरी दिन सोमवार को आयोजन किया जाएगा। योगीराज देवरहा बाबा चैरिटेबल एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा राजा भैया यूथ ब्रिगेड के तत्वधान मे निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित हो रहा है।चिकित्सा शिविर में मरीजों को पहले चिन्हित कर सभी मरीजों को बजरंग महाविद्यालय कुंडा लाया जाता है।जहां पर भोजन नाश्ता व देख रेख राजा भैया यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओ व जनसत्ता दल के सक्रिय कार्यकर्ताओ द्वारा किया जाता है।

आठवें वेतन आयोग के गठन पर पेंशनरों की विसंगतियों पर जिलाधिकारी महोदया/वरिष्ठ कोषाधिकारी को ज्ञापन

रायबरेली।संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति- उत्तर प्रदेश के आवाहन पर रायबरेली 17 दिसम्बर पेंशनर्स दिवस के अवसर पर केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय (ब्यय विभाग) द्वारा दिनांक 03.11.2025 को निर्गत राजपत्र अधिसूचना के अनुसार गठित आंठवे केन्द्रीय वेतन आयोग के संबंध में पेंशनर्स धारकों आदि की उतपन्न होने वाली विसंगति के समाधान को लेकर विभिन्न पेंशनर्स संगठन के पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी महोदया व वरिष्ठ कोषाधिकारी महोदया के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी व माननीया वित्त मंत्री जी भारत सरकार को अनूप कुमार मिश्र जिला संयोजक पवनेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जिला सहसंयोजक राजेश कुमार पाण्डेय जिला सहसंयोजक (प्रचार) वरिष्ठ नेता रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव, बी.एस.सक्सेना, बी.एन.यादव सहित सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पेंशनर्स धारकों द्वारा संयुक्त रूप से सरकार से आग्रह किया है कि आठवें वेतन आयोग में पेंशनरों को नजरंदाज न किया जाए!

डीएम ने क्षतिग्रस्त गल्ला मंडी उपरिगामी सेतु का किया निरीक्षण,डीएम ने कार्य को समयबद्ध व मानक के अनुरूप पूर्ण कराने के दिये निर्देश

निर्माण कार्य में सुरक्षा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए : डीएम

आधुनिक समाचार

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने क्षतिग्रस्त गल्ला मंडी स्थित रेल उपरिगामी सेतु का निरीक्षण कर जायजा लिया।

उल्लेखनीय है कि जहानाबाद से रतापुर मार्ग में गल्ला मंडी स्थित रेल उपरिगामी सेतु क्षतिग्रस्त हो जाने की वजह से यातायात के आवागमन हेतु बन्द कर दिया गया था। सेतु के मरम्मत कार्य की शासन से वित्तीय स्वीकृति मिलने के पश्चात कार्यदायी संस्था सेतु निगम द्वारा मरम्मत की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। निरीक्षण के समय प्रोजेक्ट मैनेजर सेतु निगम पूजा श्रीवास्तव द्वारा अवगत कराया गया कि 01 माह में क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराकर हल्के वाहनों के आवागमन हेतु खोल दिया जायेगा, शेष अन्य कार्यों की मरम्मत लगभग 02 माह में पूर्ण करा लिया जायेगा। कार्य पूर्ण करने की समय सीमा मार्च 2026 निर्धारित है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था व सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि

निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने के लिए आईआईटी से समय-समय पर जांच कराई जाए, ताकि निर्माण कार्य में किसी तरह की कमी न हो। निर्माण कार्य में सुरक्षा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्य का समयबद्ध व मानक के अनुरूप पूर्ण कराया जाए, जिससे आम जनमानस का आवागमन सुगम बन सके। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह चौहान सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

समस्त विभागों से लाभान्वित अल्पसंख्यक समुदाय की सूचना का कराया जाए संकलन-जिलाधिकारी

आधुनिक समाचार

जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री रामसकल जी, अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनभद्र, जिला सैनिक एवं पुनर्वास अधिकारी सोनभद्र, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोनभद्र सहित अन्य अधिकारीगण, अल्पसंख्यक समुदाय के लोग उपस्थित रहे। अल्पसंख्यक अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में 5.98 प्रतिशत अल्पसंख्यक आबादी है जिसमें अधिकांश आबादी मुस्लिम वर्ग की है उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त 21 मदरसा संचालित है जिसमें 07 सेकेंड्री स्तर के है।यह भी बताया गया कि अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों की शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना चलाई जाती है, जिसमें विगत 8 वर्षों में (2017-2025) में जनपद सोनभद्र के 14298 छात्र छात्राओं के खातों में सात करोड़ ग्यारह लाख बाइस हजार आठ सौ चौरासी रूपए (7,11,22884) की धनराशि प्रेषित की गयी हैं साथ ही जनपद सोनभद्र में एक मात्र अनुदानित मदरसा को प्रधानमंत्री पोषण योजना (एम0 डी0 एम0) से आच्छादित कर लिया गया है।

एडीएम ने कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा की

लक्षित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित कराई जाए-एडीएम

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा की गई। विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित कराए। उन्होंने कहा कि बकाया वसूली में शिथिलता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी नियमित रूप से निगरानी करें तथा बकायेदारों को नोटिस जारी कर शीघ्र कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अपने-अपने कार्यालयों में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराए।अपर जिलाधिकारी ने विशेष रूप से राजस्व, परिवहन, आबकारी, ऊर्जा, जल संस्थान, ग्राम्य विकास, नगर निकाय सहित सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वसूली की गति तेज करें।अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि राजस्व वसूली में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं और लक्षित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, समस्त उप जिलाधिकारीगण, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भगवंत और संत के चरण ही कलियुग में मोक्ष प्रदायक हैं

आधुनिक समाचार

रायबरेली। स्थानीय रिफार्म फॉर्म क्लब परिसर में आयोजित हो रहे आध्यात्मिक अनुष्ठान 'सुनिए कथा रघुनाथ की' के चौथे दिन राम कथा प्रवाचक गोविंद भाई ने भगवान राम की बाल लीलाओं का बहुत ही सरस वर्णन किया। उन्होंने कहा भगवान राम की बाल लीलाओं से प्रमोदित मां कौशल्या, भगवान भोलेनाथ और काकभूसिंडी के हर्ष का वर्णन करते हुए कहा कि जिसे प्रभु श्री राम के साक्षात दर्शन हुए हो, वह जीवात्मा बहुत ही महान है। जन्म जन्म के पुण्य के बाद ही कभी ऐसा अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में प्रत्येक मनुष्य को दो चरणों की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रयास करने चाहिए। एक भगवन्त चरण और दूसरे संत चरण। उन्होंने कहा कि भगवन्त के चरणों में समर्पित जीवन आवागमन से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त हो जाता है और संतों की चरण शरण में रहने वाला व्यक्ति भगवंत की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

भक्त कभी भगवान को दोष नहीं देता- गोविंद भाई

आधुनिक समाचार

रायबरेली।''सुनिये कथा रघुनाथ की'' के आध्यात्मिक अनुष्ठान के तीसरे दिन बद्रीनाथ धाम के सरस रामकथा प्रवाचक गोविन्द भाई ने रामजन्म की कथा का वर्णन किया। उन्होनें मनु-सतरूपा द्वारा किये गये कठोर व्रत के क्रम में कहा कि भक्त कभी अपने भगवान को दोष नहीं देता। भक्त सदैव अपने और अपनी साधना में दोष खोजने का प्रयास करता है। भक्त का सदैव यही भाव रहता है कि उसकी साधना में कोई कमी है, इसीलिए प्रभु प्रसन्न नहीं होते। मनु-सतरूपा ने कठोर तपस्या की, तब जाकर भगवान प्रसन्न हुए। मनु-सतरूपा निर्गुण निराकार ब्रह्म के सगुण साकार रूप में दर्शन करना चाहते थे, इनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान ने वरदान मांगने के लिए कहा। मनु महराज ने निवेदन किया कि भगवान शिव के हृदय में आपका जो रूप सदैव विराजमान रहता है, उसी रूप में आप हमें पुत्ररूप में प्राप्त हों। भगवान ने वरदान दिया और अगले जन्म में राजा दशरथ के घर में

भगवान शिव के ईष्ट राम के रूप में प्रकट हुए।गोविन्द भाई ने कहा कि सनातन धर्म सदैव विश्व के कल्याण की कामना करता है। सनातन धर्म का ध्येय ही है ''सर्वे भवन्तु सुखिनः-सर्वे सन्तु निरामयः''। सनातन धर्म मानने वालों को कुटिल और कपटी व्यक्ति की संगत नहीं करनी चाहिए, क्योंकि कुटिल और कपटी व्यक्ति का साथ जीवन को नर्क बना देता है, जैसे राजा प्रताप भानु को जीवन में कपटी गुरू ने किया। ब्राहम्णों के श्राप से राजा प्रताप भानु रावण के रूप में पैदा हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक राकेश सिंह, शेखर शुक्ला एडवोकेट, विवेक मिश्रा 'पल्लू', राजन दीक्षित, सूरज शुक्ला, आनन्द शुक्ला, महेन्द्र अग्रवाल, आशीष पाठक, राकेश गुप्ता आदि गण्यमान लोग उपस्थित रहे।

वीरता, पराक्रम, शौर्य और साहस का दूसरा नाम महाराणा प्रताप है

आधुनिक समाचार

रायबरेली। जो समाज अपने शूरवीरों का सम्मान नही करता, उस समाज से शूरवीर पैदा होना बंद हो जाते हैं। पूर्व सी डी ओ के द्वारा तीर्थराज चित्तौड़ की पवित्र भूमि की मिट्टी इंटर कॉलेज गौरा को सौंपी गई। मंगलवार को इंटर कॉलेज गौरा में शूरवीर महाराणा प्रताप सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य विकास अधिकारी विजय कुमार सिंह ने महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि जिन समाजों में शूरवीरों का सम्मान बंद हो जाता है, उन समाजों में शूरवीरों का उत्पन्न होना बंद हो जाता है। उन्होंने श्याम नारायण पांडेय की पंक्तियों को दोहराते हुए कहा कि मुझे ना जाना गंगा सागर, मुझे ना रामेश्वर काशी, तीर्थराज चित्तौड़ देखने को मेरी आंखें प्यासी। इसी के साथ उन्होंने विदेशी लेखक ह्वीलर, बर्नियर, कर्नल वॉल्टर आदि का उद्धरण देते हुए कहा कि राजपूत जाति भारतवर्ष में सबसे कुलीन और स्वाभिमानी है। संसार में और कोई ऐसी जाति शायद हो जिसकी उत्पत्ति इतनी पुरानी और शुद्ध हो। महाराणा प्रताप क्षत्रिय जाति के वंशज हैं। उन्होंने हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल बादशाह अकबर की सेना का मुकाबला डटकर किया था। महाराणा प्रताप कभी भी मुगल सेना के सामने नतमस्तक नही हुए। यहां पर छात्र-छात्राओं के साथ सभाजीत यादव, प्रेमचंद भारती, लेफ्टिनेंट राजेंद्र प्रताप सिंह, कृपा शंकर मौर्य, दिनेश चंद्र वर्मा, मुन्ना लाल, अशोक कुमार, ज्ञान बहादुर, लवलेश कुमार, राजकुमार, अनिल कुमार सिंह, राजेश मिश्रा, सुनील सिंह, प्रदीप पांडेय, देवेंद्र सिंह, संजीव यादव, अरुण सिंह, अशोक सिंह, अमरेंद्र बहादुर सिंह, सुंदरलाल, भूपेंद्र सिंह, निर्भय दास, सुशील बाजपेई, जितेंद्र कुमार यादव, हरी प्रताप पाल, धीरेंद्र यादव आदि शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपरिगामी सेतु के मरम्मत कार्य शीघ्र होगा शूरूः डीएम

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया कि शासन द्वारा जनपद के जहानाबाद रतापुर मार्ग के रेलवे स्टेशन के निकट गल्ला मंडी स्थित क्षतिग्रस्त रेल उपरिगामी सेतु के मरम्मत कार्य हेतु 135.83 लाख (रूपये एक

करोड़ पैंतीस लाख तिरासी हजार) की प्रशासकीय स्वीकृति मिल गयी। जल्द ही उपरिगामी सेतु के मरम्मत का कार्य शुरू होगा।

शासकीय पीएम श्री कन्या उ.मा.विद्यालय में एक राष्ट्र एक चुनाव का कार्यक्रम संपन्न हुआ

मैहर। शासकीय पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर में आयोजित हुए एक राष्ट्र एक चुनाव विषय के छात्र संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्रीकान्त चतुर्वेदी जी उपस्थित होकर छात्राओं को संबोधित किया।जैसे पूर्व में 1951से 1967 तक एक ही साथ चुनाव होते थे ठीक उसी तरह अब यदि एक साथ चुनाव होते हैं तो कई फायदे हो सकते हैं। साथ में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य श्री सुकराम सिंह पैकरा जी, विशेष उपस्थिति श्रीमती विजया चोपड़ा जी, श्री दिनेश पूरी गोस्वामी जी एवं अभियान के जिला संयोजक साहिल सिंह और जिला सह संयोजक आशुतोष सिंह बघेल उपस्थित रहे।

भगवान राम का अवतार विप्र, सुर और धेनु की रक्षा के लिए हुआ था - गोविन्द भाई

आधुनिक समाचार

रायबरेली।सुनिये कथा रघुनाथ की अनुष्ठान के छठवें दिन कथा व्यास गोवन्द भाई ने राम के वनगमन का बड़ा मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया। उन्होनें कैकेयी के कोप भवन जाने और दशरथ से वर माँगने के प्रसंग का भी वर्णन किया।

उन्होनें कहा कि भगवान श्रीराम स्वयं भी चाहते थे कि वे अभी राजा न बनें, क्योंकि उनका अवतार ही विप्र, सुर, धेनु की रक्षा के लिए हुआ था। यदि राम राजा बन जाते हैं तो वे असुरों का विनाश कर ब्राहम्णों, देवताओं और गायों की रक्षा कैसे कर पाते, इसीलिए भगवान श्रीराम कैकेयी से कहते हैं ''सुन जननी सोई सुत बढ़भागी।

जो पितु-मातु वचन अनुरागी'' भगवान श्रीराम कहते हैं कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे मेरे पिता और माता ने मुझे वन जाने का निर्देश दिया है, मैं इसका पालन करूँगा। भगवान श्रीराम कैकेयी से कहते हैं कि माँ मैं शीघ्र ही वन जाने की तैयारी करता हूँ। लक्ष्मण भी भगवान श्रीराम से साथ जाने की जिद क़रते हैं तो राम, लक्ष्मण से कहते हैं कि माता सुमित्रा से आज्ञा प्राप्त कर लो, लक्ष्मण जब माँ सुमित्रा से वन जाने की आज्ञा माँगते हैं तो सुमित्रा कहती है कि मैं तो तुम्हारे इसी जन्म की माँ हूँ, तुम्हारे शास्वत माता-पिता तो सीता और राम ही हैं, जहाँ राम हैं, वहीं तुम्हारी अयोध्या है। सुमित्रा लक्ष्मण को निर्देश देती हैं कि तुम चौदह वर्ष तक मन, वचन, कर्म से प्रभु श्रीराम की सेवा करना। लक्ष्मण भी यह प्रण करते हैं कि मैं अपने प्रभु श्रीराम की सेवा में किंचित भी प्रमाद नहीं करूँगा। महराज दशरथ की आज्ञा से राम, सीता और लक्ष्मण को लेकर अयोध्या से वन की ओर प्रस्थान करते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से शेखर शुक्ला, विवेक मिश्रा 'पल्लू', राजन दीक्षित, उपमन्यु पाण्डेय 'रिक्की', आनन्द शुक्ला, हिमांशु बाजपेयी, देव कुमार मिश्रा, सौरभ शुक्ला, योगेश त्रिपाठी, राजेश पाण्डेय, दीपू सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, रोहित त्रिपाठी, गौरव मिश्रा, महेन्द्र अग्रवाल, आदि गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत-पाक युद्ध 1971 विजय दिवस का आयोजन सम्पन्न

रायबरेली। भारत-पाक युद्ध 1971 में भारतीय सेनाओं की अतुलनीय विजय की स्मृति में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के प्रांगण में स्थित शहीद स्मारक पर विजय दिवस मनाया गया। समारोह में उपस्थित भूतपूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। युद्ध में प्रतिभाग करने वाले रायबरेली जनपद के पूर्व सैनिक सिगनल मैन मकसूद अहमद खान, वीर नारी विनीती यादव एवं सुमन यादव का सम्मान किया गया।

अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ के द्वारा अभियोजन कार्यों की अक्टूबर व नवम्बर माह की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट साभार में की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित निस्तारित,लंबित व नए अभियोजन प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। गैंगेस्टर के लंबित मामलों को शीघ्रता से पैरवी करते हुए निस्तारित कराने के निर्देश दिए गए।उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यायालयों में लंबित मामलों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराई जाए तथा समयबद्ध कार्रवाई की जाए, गंभीर प्रकरणों में गवाहों की उपस्थिति, समय पर साक्ष्य प्रस्तुत करने तथा केस डायरी की नियमित निगरानी की जाए। बैठक में गैंगेस्टर, पास्को, एससी/एसटी आदि से संबंधित गंभीर प्रकरणों पर विस्तार से समीक्षा की गयी। बैठक में संयुक्त निदेशक अभियोजन धीरेंद्र कुमार मिश्रा, डीजीसी क्रिमिनल अजय मौर्य, सीओ सिटी अरुण कुमार नौहवार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

यहां कौन है तेरा मुसाफिर... कमजोर कानून और कम प्रतिस्पर्धा के कारण भारत में यात्रियों से बुरा बर्ताव

इंडिगो संकट ने एक बड़ी सच्चाई खोलकर रख दी है कि यात्रियों के पास कोई ताकत नहीं है। भारत लंबे समय से इस सच की अनदेखी करता आ रहा था। हालांकि एयरलाइंस इंडस्ट्री को इस बारे में अच्छे से पता है। मौजूदा संकट उसी सिस्टम का नतीजा है, जिसमें गलती होने पर भी एयरलाइंस पर पेनल्टी नहीं लगती। इंडिगो में हुई गड़बड़ी उसी तरह है, जैसी दुनिया की दूसरी एयरलाइंस में होती रहती है। 2017 की सर्दियों में एयरलाइंस के पास बहुत कम रिजर्व पायलट थे। इस बीच रोस्टरिंग में गलती हुई और समस्या इतनी बढ़ी कि 6 महीने के भीतर करीब 20 हजार फ्लाइट कैंसल करनी पड़ीं। 2022 में सॉफ्टवेयर की खराबी से अमेरिका में 10 दिनों के भीतर 16,700 उड़ानें रद्द हुई थीं। ब्रिटिश एयरवेज को 2017 और 2022, दो बार तकनीकी खराबी से जूझना पड़ा, जिसकी वजह से सैकड़ों उड़ानें कैंसल हुईं। इन सभी मामलों में एक समानता दिखती है - स्टाफ की कमी, काम ज्यादा और इमरजेंसी के लिए तैयारी नहीं। इंडिगो भी इसी खांचे में फिट बैठती है, पर यहां एक बड़ा अंतर है - इस समस्या की आशंका पहले से थी। कंपनी के पास नए नियमों के हिसाब से तैयारी करने के लिए 18 महीने थे। जिन एयरलाइंस के पास अतिरिक्त क्रू होता है या जिनकी व्यवस्था ज्यादा लचीली होती है, वे नियम बदलने पर इतनी आसानी से नहीं डगमगातीं। लेकिन, जब कोई कंपनी कम में ज्यादा काम करने की कोशिश करती है, तो हल्का-सा झटका भी मुसीबत खड़ी कर देता है। इंडिगो के केस में एक और अंतर है - यूरोप या अमेरिका की तरह भारत में एयरलाइंस की वजह से होने वाली देरी पर यात्रियों को कोई आर्थिक मुआवजा नहीं मिलता। ऊपर की घटनाओं में एयरलाइंस ने पैसे तो दिए ही, यात्रियों के रुकने-खाने का भी इंतजाम किया था।भारत का पैसेंजर राइट्स चार्टर बहुत कमजोर है। कानून के बजाय यह गाइडलाइंस जैसा लगता है। इसमें रिफंड और भोजन का प्रावधान है, लेकिन वह भी एयरलाइंस की इच्छा पर। मार्केट में कम कंपनियां होने और लापरवाही पर कोई सजा नहीं मिलने से यात्रियों के पास विकल्प नहीं बचता।एविएशन इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा मापने का एक पैमाना है - स्कोर जितना ज्यादा, प्रतिस्पर्धा उतनी कम। भारत का स्कोर है 4,936 - यह दर्शाता है कि घरेलू मार्केट में कॉम्पिटिशन नहीं है। भारत के उलट, अमेरिका और चीन के स्कोर बहुत कम हैं, जबकि वहां ज्यादा बड़ी एयरलाइंस हैं।

देश की राजधानी किसी बुरे सपने से कम नहीं है

योगेंद्र योगी

देश में वोट बैंक की राजनीतिक के समक्ष पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दे हाशिए पर धकेले जाते रहे हैं। राजनीतिक दल इसे समस्या तो मानते हैं किन्तु इसके स्थायी निदान के लिए न तो कोई कार्ययोजना है और न ही इच्छाशक्ति। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र भीषण प्रदूषण की मार झेल रहा है। यही वजह है कि प्रदूषण की भयावहता तमाम क्षेत्रों में तरक्की को मुंह चिढ़ा रही है। सरकारों और राजनीतिक दलों की बला से प्रदूषण प्रभावित इन क्षेत्रों के करोड़ों लोगों बेशक तिल–तिल करके मरते रहें। इसके विपरीत नेताओं का सरोकार सिर्फ चुनाव जीतने भर तक सीमित रह गया है। सत्तारुढ़ और विपक्षी दल इस मुद्दे पर चिंता जताने तक सीमित हैं। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में विपक्ष के कुछ सांसदों ने अपने चेहरों पर मॉस्क लगाया और प्रदूषण के खिलाफ नारे लिखे तख्खियां और बैनर लेकर प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों का नेतृत्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया। एक बैनर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर थी जिस पर लिखा था 'मौसम का मजा लीजिए'।

सरकारी नजरिए से देखें तो राजधानी दिल्ली और आस–पास के क्षेत्रों में प्रदूषण लाइलाज समस्या बन चुका है। हर साल सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली का इलाका गैस चैंबर बन जाता है। इस बात से सत्तारुढ़ और विपक्षी दल अनजान नहीं हैं। इसके बावजूद कोरी बयानबाजी के अलावा लोगों को उनके हाल पर छोड़ रखा है। दिल?ली का औसत एक?यूआई लेवल 377 तक दर्ज हो चुका है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में दिक?कत और आंखों में जलन की समस?या देखने को मिल रही है। आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक जहांगीर पुरी, जवाहरलाल नेहरू स?टेडियम और नेहरू नगर में एक?यूआई लेवल 400 के पार तक पहुंच गया। दिल?ली की हवा में घुला जहर कम कब होगा। इस सवाल का जवाब इस समय शायद किसी के पास नहीं है। शायद इसीलिए डॉक?टरों ने साफ कह दिया है कि बच?चों की सेहत ठीक रखना चाहते हैं, तो कुछ दिनों के लिए दिल?ली छोड़ दीजिए। दिल्ली में एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट के लिए डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण के बड़े कारण ट्रांसपोर्ट, पराली है। गाड़ियों से फैले प्रदूषण का हिस्सा 18.42इ था। आंकड़ों के हिसाब से 16.31इ प्रदूषण के अन्य सोर्स हैं, जिसमें आतिशबाजी, डीजल जनरेटर जैसे सोर्स शामिल है। शादियों के सीजन की वजह से आतिशबाजी हो भी रही हैं। अगले तीन दिन इन अन्य सोर्स का प्रदूषण का हिस्सा और बढ़कर 43.4इ तक जाने का अनुमान है। दिल्ली में एक्यूआई 400 तक के खतरानक स्तर को छू चुका है, जो वायु प्रदूषण की गंभीर हालत दिखाता है। वहीं मुंबई में भी ये 200 के करीब पहुंच गया था, जिसके बाद वहां ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप 4) लागू किया गया। हालांकि दिल्ली में अभी ग्रैप 4 लागू नहीं किया गया। उल्टे दिल्ली एनसीआर में 26 नवंबर को ग्रैप 3 की पाबंदियां भी वापस ले ली गई थीं। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने शहर में निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी थी। देवनार, मलाड, बोरीवली, अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पवई और मुलुंड जैसे इलाकों में प्रदूषण की खराब

स्थिति के बाद ये फैसला लिया गया था। दिल्ली में प्रदूषण पराली जलने, वाहनों के धुएं और कारखानों से निकलने वाला कार्बन उत्सर्जन जिम्मेदार है। हवाओं की रफ्तार धीमी पड़ने से हालात और खराब हो जाते हैं। हालांकि मुंबई और अन्य समुद्री इलाकों में प्रदूषण की स्थिति बेहतर रहती है, क्योंकि वहां हवा चलने के कारण प्रदूषणकारी तत्व शहर से दूर चले जाते हैं। मुंबई में मेट्रो, फ्लाईओवर जैसे बड़े निर्माण कार्य, वाहनों की बढ़ती तादाद और कचरा जलाने जैसी वजहों से हालत बिगड़ी है। मुंबई जैसे समुद्री इलाकों में एक्यूआई बढ़ना खतरे की घंटी है। मुंबई में ग्रैप-4 की पाबंदियों के बाद एक्यूआई 150 से नीचे आ गया, जबकि दिल?ली की हवा में अब भी दम घुट रहा है। मुंबई की हवा अब सांस लेने लायक हो गई है। यहां कई जगह एक?यूआई लेवल 100 के आसपास हो गई। हालांकि, दिल?ली में एक?यूआई लेवल अब भी कई जगह 400 के पार है। हवा की गति बढ़ने और पानी छिड़काव जैसे उपायों से मुंबई में हवा की गति बढ़ने और पानी छिड़काव जैसे उपायों से मुंबई में एक्यूआई स्तर 150 से नीचे आने में मदद मिली। दुनिया भर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था आईक्यूएआईआर की नवीनतम लाइव रैंकिंग में भारत की राजधानी दिल्ली इस सूची में पहले स्थान पर रही। जबकि दूसरे स्थान पर उज़्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद 251 के एक्यूआइ के साथ दर्ज है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान का लाहौर (एक्यूआइ 215), चौथे पायदान पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका 211, एक्यूआइ के साथ है। भारत का कोलकाता भी 211 के एक्यूआइ के साथ पांचवें स्थान पर है। देश की राजधानी दिल्ली में एयर इमरजेंसी है। राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बन गई है। राजधानी दिल्ली हांफ़ रही है, खांस रही है। दिल्ली की हवा ज़हरीली हो गई है। दिल्ली में हर व्यक्ति हर पल अपने फेफड़ों में ज़हर भर रहा है। दिल्ली को डिटॉक्स करने की ज़रूरत है। दिल्ली-एनसीआर इलाके की इन दिनों जैसे बस यही पहचान बन गई है। देश ही नहीं दुनिया भर के अखबारों-समाचार चैनलों, वेबसाइट्स में दिल्ली की हवा सुर्खियों में है। दिल?ली एनसीआर में इस समय धुंध नहीं बल्कि, हवा में मौजूद धूल के कारण है, वो धूल जो कभी कंस्ट्रक्शन की वजह से कभी पोल्यूशन की वजह से कभी पराली की वजह से घटना हो रही है। ये लटके हुए कण जो धूल के हैं ये पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण इसमें शामिल हैं। इसका मतलब यह है कि एक दिन की दिल्ली की हवा में सांस लेना करीब 50 सिगरेट के पीने के बराबर है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिल्ली की हवा का क्या हाल है। रोज पीने-उपयोग करने वाला भूजल भी अब दिल्ली में सुरक्षित नहीं बचा है। केंद्रीय भूमिजल बोर्ड की नई रिपोर्ट बताती है कि इस पानी में यूरेनियम जैसे खतरनाक तत्वों के साथ नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक तक मिला हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि राजधानी के कई हिस्सों से लिए गए भूजल के नमूनों में यूरेनियम की मात्रा सामान्य सीमा से कहीं अधिक पाई गई। यूरेनियम धीरे-धीरे शरीर में जमा होता है और गुर्दों, हड्डियों और शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुँचा सकता है। रिपोर्ट में साफ हुआ कि पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक भी पाया गया है। नाइट्रेट ज़्यादातर गंदे पानी और खाद से जमीन में रिसकर आता है। फ्लोराइड बढ़ने से दाँत और हड्डियाँ कमज़ोर होने लगती हैं। लेड शरीर के दिमागी विकास पर भारी असर डालता है और बच्चों व गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक है। नमक और घुले पदार्थ ज्यादा होने से पानी पीने लायक नहीं रह जाता और पाचन व गुर्दों पर दबाव पड़ता है। दिल्ली में लगातार ज़्यादा गहराई तक बोरिंग होने लगी है, जिससे ऐसे हिस्सों का पानी ऊपर आ रहा है जहाँ मिट्टी में खुद ही खनिज और भारी तत्व मौजूद रहते हैं। दूसरी ओर, सीवर रिसाव, गंदे पानी का जमीन में घुसना और रासायनिक कचरे का सही निस्तारण न होना भी भूजल को ज़हरीला बना रहा है। जमीन रिचार्ज होने की जगह घट गई है और पानी अपना प्राकृतिक संतुलन खो रहा है।

दिल्ली में हवा और पानी दोनों ही गंभीर रूप से प्रदूषित हो रहे हैं। वायु प्रदूषण के साथ-साथ जल प्रदूषण भी लोगों के लिए बड़ी समस्या बन रहा है। दिल्ली में हर साल सर्दियों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है और यमुना में झाग भी बनने लगते हैं। कालिंदी कुंज इलाके में यमुना नदी में सफेद झाग दिखाई दिए। विशेषज्ञों का कहना है कि यह झाग पानी में मौजूद फॉस्फेट, डिटर्जेंट और औद्योगिक अपशिष्टों के कारण बनता है। यह न सिर्फ नदी के पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद खतरनाक है। सवाल यही है कि आखिर देश की राजधानी दिल्ली वायु–जल प्रदूषण को लेकर और कितनी रसातल तक जाएगी। आखिर नेताओं और सरकारों की कुंभकर्णी नींद कब खुलेगी। चुनी हुई सरकारों से उम्मीद की जाती है कि जनहित का ख्याल रखेंगी। इस लिहाज से दिल्ली किसी बुरे सपने से कम नहीं है।

देश के पहले गृहमंत्री थे सरदार वल्लभभाई पटेल, क्यों कहा जाता था लौह पुरुष

अनन्या मिश्रा

भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और 'लौहपुरुष' सरदार वल्लभ भाई पटेल का निधन हो गया था। वह दृढ़ता, निर्णय क्षमता और अटूट देशभक्ति का प्रतीक थे। वह एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने न जंग और न तलवार से बल्कि अपनी अटल इच्छाशक्ति और राजनीतिक बुद्धिमत्ता से 562 रियासतों को एकजुट करके भारत को अखंड बनाया था। देश की आजादी के बाद भारत की जो तस्वीर हम सभी देखते हैं, वह सरदार पटेल के 'लौह संकल्प' का परिणाम है। इसलिए उनको 'भारत का लौह पुरुष' भी कहा जाता है। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...**जन्म और परिवारः** गुजरात के नडियाद में 31 अक्तूबर 1875 को सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म हुआ था। सरदार पटेल में बचपन से ही नेतृत्व और अनुशासन के गुण थे। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से कानून की पढ़ाई की और बाद में एक सफल वकील बने। वहीं गांधीजी के राष्ट्रवादी आह्वन ने सरदार पटेल के जीवन की दिशा बदली। **किसान आंदोलन से बने जननेताः**अहमदाबाद के किसान आंदोलन से सरदार पटेल की यात्रा शुरू की और फिर इस यात्रा ने उनको जल्द ही जननेता बना दिया। सरदार पटेल ने किसानों, मजदूरों और आम जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश को दिखाया कि राजनीति का असली मतलब सेवा है, न कि सत्ता। **'लौह पुरुष' की उपाधिः** देश की आजादी के बाद भारत के सामने जो सबसे बड़ी चुनौती थी, वह 562 रियासतों को एक देश में जोड़ना था। जहां एक ओर कई रियासतें अलग देश बनने की जिद पर अड़ी थीं। लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल की रणनीतिक कुशलता और दृढ़ इच्छाशक्ति से 'एक भारत' का सपना साकार किया। जूनागढ़, हैदराबाद और कश्मीर जैसी रियासतों को भारतीय संघ में मिलाना किसी युद्ध से कम नहीं था। लेकिन सरदार पटेल ने इस काम को बिना किसी बड़े संघर्ष के संभव कर दिखाया। इस लोहे जैसी इच्छाशक्ति और स्पष्ट निर्णय क्षमता ने सरदार पटेल को 'आयरन मैन ऑफ इंडिया' की उपाधि दिलाई। **सरदार पटेल की कार्यशैलीः** हालांकि सरदार पटेल का जीवन सरल था, लेकिन उनको विचार कठोर थे। सरदार पटेल न तो बड़े भाषणों में विश्वास रखते थे, न ही दिखावे में। उनका मानना था कि राष्ट्र निर्माण शब्दों से नहीं बल्कि कर्म से होता है। सरदार पटेल का प्रशासनिक कौशल इतना प्रभावी था कि महात्मा गांधी ने उनको 'भारत का बिस्मार्क' कहा था। **देश के पहले गृहमंत्रीः** देश को आजादी मिलने के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल देश के पहले गृहमंत्री और उप-प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने कड़े संघर्ष के बाद 562 रियासतों को देश को अखंड भारत बनाया था। **मृत्युः** वहीं 15 दिसंबर 1950 को 75 साल की उम्र में सरदार वल्लभभाई पटेल का निधन हो गया था।

प्रशासनिक तंत्र की तय हो जवाबदेही..

उमेश चतुर्वेदी

उत्तर भारत की सर्दियां गोवा के लिए वरदान होती हैं। अरब सागर तटीय इस राज्य में सर्दियों में उत्तर भारतीय सैलानियों की आवक बढ़ जाती है। लेकिन हो सकता है कि इस बार यह आवक कम हो। गोवा में साल के आखिरी दिनों और अगले साल की छुट्टियां मनाने का मन बना चुके सैलानियों में इस बार हिचक हो सकती है। वजह है, यहां के मशहूर नाइट क्लब 'बर्क बाय रोमियो लेन' में लगी आग, जिसमें पांच सैलानी समेत पच्चीस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है।

दुर्घटनाएं कह कर नहीं आतीं, लेकिन उनकी रोकथाम की मुकम्मल तैयारी से शायद ही किसी को इनकार हो। लेकिन समंदर के किनारे से छनकर आती रोशनियों के बीच स्थित गोवा के इस नाइट क्लब में लगी आग और उसमें गई निर्दोष जान ने सबसे बड़ा सवाल उस प्रशासनिक तंत्र पर लगाया है, जिस पर इस हादसे की रोकथाम की जिम्मेदारी थी। बताया जा रहा है कि अनधिकृत ढंग से इस नाइट क्लब का निर्माण किया गया था। इस अनधिकृत निर्माण को तोड़ने के लिए गोवा की संबंधित पंचायत ने निर्देश भी दे रखा है। आग लगने की दशा में उसके रोकथाम और बचाव को लेकर इस नाइट क्लब में कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं था। इतना ही नहीं, यह क्लब बेहद संकरी जगह पर है, जहां आसानी से जाना संभव नहीं है।

भारत में एक चलन स्वीकार कर लिया गया है। नियमावलियां तो खूब बनाई गई हैं। लेकिन वे सिर्फ दस्तावेजों के लिए हैं। जिन्हें इन नियमावलियों को लागू करने की जिम्मेदारी है, जिन पर इन नियमावलियों को तोड़ने वालों को उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत दंडित करने-कराने की जवाबदेही है, अक्सर वे इससे आंखें मूंद लेते हैं। कई बार नियम तोड़ने वालों से संबंध पलकों को मोड़ने का जरिया बनते हैं तो कई बार रिश्वत की रकम का बोझ पलकों को झुकने के लिए मजूबूर कर देता है। भारत के प्रशासनिक तंत्र का बड़ा हिस्सा इसी तरह की मानसिकता में काम करता है। वह दुर्घटनाओं और हादसों का इंतजार करता है। वह तभी जागता है, जब हादसे हो जाते हैं, उनमें मासूम जानें चली जाती हैं। तब उन्हें नियमों की तेजी से याद आने लगती है। प्रशासनिक तंत्र की बंद आंखे तब ऐसे खुल जाती हैं, जैसे भगवान

शिव का तीसरा नेत्र खुलता है। तब उसे अनधिकृत निर्माण भी दिखने लगता है, तब उसे कार्रवाई की भी सूझने लगती है। कार्रवाई होती भी है। गोवा के 'बर्क बाय रोमियो लेन' क्लब के मालिकों पर भी होगी, लेकिन इसका असर कितनी देर तक रहेगा, कहना मुश्किल है। क्योंकि वक्त बीतते-बीतते कार्रवाई में ढिलाई भी शुरू हो सकती है और अगर किसी सामाजिक संस्था, किसी राजनीतिक व्यवस्था या किसी न्यायिक व्यवस्था की निगाह उस पर नहीं पड़ी तो कार्रवाई धीरे-धीरे टलती चली जाएगी, उसकी तासीर ठंडी होती जाएगी और फिर हो सकता है कि नियमों को तोड़ने वाले किसी और जगह नियम तोड़कर ऐसा ही किसी और नाम से नाइट क्लब चलाने लगें

भारत में अंग्रेजों ने प्रशासनिक ढांचा अपने राजकाज को चलाने के लिए बनाया था। उसे लंबी अवधि तक बनाए रखने के लिए बनाया था। देखते ही देखते यह तंत्र स्टील फ्रेम में तब्दील होता चला गया। वैसे भी जर्मन दार्शनिक मैक्स वेबर इसे स्टील फ्रेम ही बताते हैं। संविधान सभा ने भारत के भावी प्रशासनिक तंत्र की रूपरेखा को लेकर चर्चा की थी। उसने इस पर गंभीर विमर्श किया था। संविधान सभा में प्रशासनिक तंत्र पर व्यापक चर्चा हुई, जिसका उद्देश्य एक ऐसा ढांचा तैयार करना था जो स्वतंत्र भारत के लिए प्रभावी, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति जवाबदेह हो । संविधान सभा के सदस्यों को संदेह था कि भारत की भावी नौकरशाही भारतीय मूल्यों और भारतीय व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो पाएगी। इसी लिए संविधान सभा में तत्कालीन सदस्यों ने नौकरशाही की भूमिका पर ना सिर्फ व्यापक चर्चा की, बल्कि उसकी राजनीतिक तटस्थता, कार्यक्षमता, जवाबदेही और नए स्वतंत्र राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे में उसकी स्थिति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया । इन बहसों का उद्देश्य एक ऐसी सिविल सेवा प्रणाली स्थापित करना रहा, जो संविधान के सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान हो और लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हो।

सवाल यह है कि क्या संविधान सभा की बहसों के अनुरूप आज की नौकरशाही बन पाई है। उसके ज्यादातर हिस्सों को देखिए तो लगता है कि बिल्कुल नहीं। आज भी उसमें अंग्रेजी राज जैसी अकड़ है, उसका ध्यान ज्यादातर अपनी ताकत को बचाए रखने और उसके जरिए आर्थिक साम्राज्य खड़ा करने पर है। भारत का शायद ही कोई राज्य हो, जहां की नौकरशाही में अकूत संपत्ति के मालिक, भ्रष्टाचारी और कर्त्तव्यहीन अफसर ना होंगे। मध्य प्रदेश जैसे जिन राज्यों में लोकपाल व्यवस्था कायम है, वहां आए दिन ऐसे अफसरों पर छापे पड़ते हैं, उनके घर मिले नोटों को गिनने के लिए मशीनें लानी पड़ती हैं। कई बार तो नोट गिनने में ही दो-दो तीन-तीन दिन लग जाते हैं। सवाल यह है कि क्या अफसरों के पास अकूत धन उनके सत्कर्मों और कर्त्तव्यपरायाणता के चलते आता है? निश्चित रूप से इस सवाल का जवाब ना में हैं। पैसे आते हैं, अवैध निर्माण को बढ़ावा देने से, नियमों की अवहेलना करने वालों से मिलने वाली रकम से, लोक के लिए आए फंड की बंदरबांट से।

भजन

मुझे दास बना कर रख लेना,
भगवान तू अपने चरणों में।।

मैं बुरा हूं,भला हूं,पर तेरा हूं,
तेरे द्वार पर डाला डेरा हूं।
मुझे चाकर जान के रख लेना,
भगवान तू अपने चरणों में।।

जब अधम से अधम उतारा है,
उसमें भी नाम हमारा है,
मुझे भार समझ कर रख लेना,
भगवान तू अपने चरणों में।।

मुझे दास बना कर रख लेना,
भगवान तू अपने चरणों में।।

'रचना स्वरचित एवं अप्रकाशित'
सुनील पाण्डेय'बबलू'
निवासी मुबारकपुर कोटवा, मुंडेरा, धूमनगंज, प्रयागराज

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोर्चाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। 'गजवा हिंद' के प्रलापों के प्रतिकार में 'भगवा हिंद' का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस

उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि 'यह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी' बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा। इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि 'राम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगा' एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा। इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रूवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है।

फिर भी एक बात निर्विवाद है- बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परन्तु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाज़ें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है।

वो गलतियां जो आपको मोटा दिखाती हैं

अगर अपनी सबसे खूबसूरत ड्रैस पहनने के बावजूद खुद को आइने में देखकर आपका मूड उदास हो जाता है, तो यकीन मानिए इसकी वजह वो गलतियां हैं जो खुद को स्टाइल करते वक्त आप कर लेती हैं और जिसके कारण आप उससे कहीं अधिक बल्की या छोटी दिखाती हैं जितनी की आप हैं। आपने जो कपड़े पहन रखे हैं वो भी आपको मोटा या पतला दिखा सकते हैं। आपके कपड़े और आपका फैशन स्टेटमेंट काफी हद तक आपके इंप्रैशन को बना और बिगाड़ सकते हैं। जिम जाकर और सही डाइट से तो आप खुद को परफैक्ट शेप दे सकती हैं लेकिन अगर आपको किसी पार्टी या फंक्शन में जाना है और आपका शेप परफैक्ट नहीं है और आप नहीं चाहती हैं कि आप मोटी दिखें तो आपको काफी सोच-विचार कर अपने कपड़ों का चयन करना चाहिए। चयन करते समय आपको हमेशा कुछ ऐसे टिप्स आजमाने चाहिए जो आपको शेप में दिखाएं। यहां कुछ ऐसे ही सुझाव दिए जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप स्लम नजर आएंगी। पतली कमर को खूबसूरती से जोड़कर देखना सामान्य बात है। स्किनी बैल्ट के इस्तेमाल से आपकी कमर पतली नजर आएगी। लेकिन अगर आपने बैल्ट को सही से नहीं पहना तो आपकी कमर मोटी दिखेगी। बैल्ट को कसकर लगाने से आपकी टमी दो भागों में बंटी नज़र आती है और आपकी कमर और हिप्स को चौड़ा दिखाएगी। काला रंग आपको स्लिम और ग्लैमरस लुक देता है। यही कारण है कि ज्यादातर लोग पार्टियों में ब्लैक कलर की ड्रैस पहनना ही पसंद करते हैं। अगर आपको कलरफुल ड्रैस पहनने का मन कर रहा है तो कोशिश करें कि आपकी ड्रैस एक ही रंग की हो। बहुत ज्यादा कलरफुल ड्रैस में आप मोटी नजर आ सकती हैं। लंबे टॉप्स या कुर्ते आपको हमेशा पतला ही दिखाएं ऐसा जरूरी नहीं। ध्यान रखें कि कुर्ते की लेंथ कभी भी शरीर के सबसे हैवी पार्ट पर खत्म नहीं होनी चाहिए। अगर आपका हिप पार्ट हैवी है तो ऐसे टॉप्स और कुर्ते पहनें जो या तो कमर तक लंबे हों या फिर लो वेस्ट और घुटनों के बीच। नितंब हैवी हों तो घुटनों तक लंबे कुर्ते पहनें। ढीले कपड़े हमेशा आपके फेवर में ही नहीं जाते। ये आपके बॉडी कर्व्ज़ को ढक देते हैं और आपको अधिक मोटा दिखाते हैं। ऐसे कपड़ों को चुनें जो आपके कर्वज़ को उभारने के साथ ही हैवी पाटर्स को कवर करें। बहुत टाइट कपड़ों के साथ ही ऐसे कपड़े भी जिनमें हेम, कमर या बांहों पर कट हों, आपको अपने वार्डरॉब से हटा देना चाहिए। लेयर्स वाली ड्रैसिस खूबसूरत लगती हैं। लेकिन तभी जब सब कुछ बैलेंस्ड हो। एक समय में अपर और लोअर टोर्सो लेयर्ड न पहनें। अपनी बॉडी के सबसे पतले पार्ट को हाईलाइट करें। इसका सबसे सही तरीका यह है कि आपके कपड़ों का मिड पार्ट आपके इस स्लिम पार्ट पर आए। ऐसा करने से कपड़ों का फाल सही बना रहेगा। मार्केट में अवेलेबल जींस की स्टाइलिश रेंज देखकर आपको जो अच्छा लगता है आप खरीद लाती हैं। याद रखें जींस भी आपको बल्की दिखा सकती हैं। अगर आपकी लंबाई ज्यादा नहीं है तो एंकल लैंथ की पैंटस और जींस न पहनें। ये आपके लोअर बॉडी पाटर्स को अधिक चौड़ा दिखाती है जिससे आपकी हाईट कम लगती है। अगर आप बहुत लंबी नहीं हैं तो ज़िलियन स्ट्रैप्स शूज़ आपके लिए नहीं हैं क्योंकि ये आपकी हाइट को और कम दिखाते हैं। इसलिए सिंपल फुटवियर पहनें, जिनमें एंकल के आस-पास बहुत तामझाम न हों। इससे आपकी लुक लंबी लगती है। ध्यान रखें कुछ ड्रैसिस ऐसी होती हैं जिनके साथ हाई हील्स कैरी करना जरूरी होता है। अगर आपके बस्ट हैवी हैं तो भूलकर भी स्टेटमेंट नेकलेस न पहनें और अगर आपकी टमी हैवी है तो लॉन्ग नेकलेस न पहनें क्योंकि ये आपके उसी बॉडी पार्ट पर ध्यान आकर्षित करते हैं, जहां ये फॉल करते हैं। ऐसे में आपके वे बॉडी पाटर्स और बल्की दिखते हैं। आप अपने फेस या हेयर स्टाइल को फोकस प्वाइंट बना सकती हैं। आजकल पॉकेट वाले ड्रैसेज़ ट्रैंड में हैं। अगर आपकी भी स्टाइलिश आउटफिट में पॉकेटस हैं, तो इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप जो भी स्टफ अपने हैंडबैग में कैरी करती हैं उसे पकेटस में रख लें। मोबाइल फोन या लिपस्टिक जैसी छोटी चीज़ें भी पॉकेटस में कैरी न करें, इससे भी आपके हिप्स ज्यादा बल्की नज़र आते हैं। अंडरगार्मेंटर्स सही साइज के पहनें वरना ये आपकी पूरी ड्रैस का लुक बिगाड़ देंगे। अगर आपने स्मॉल या ओवर साइज इनर पहने हैं तो आपके लुक को बिगाड़ने के लिए यह एक वजह काफी है। हिप्स के ऊपर दिखती पैंटी लाइन आपकी स्कर्ट, जींस और दूसरी ड्रैसिस को उससे कहीं ज्यादा टाइट दिखाती है जितनी की वे असल में हैं।

हेयर ड्रायर करते समय करेंगे ऐसी गलतियां तो होंगे बाल खराब

गीले बालों को झट से सुखाने और बाउंसी बाल पाने के लिए अक्सर लड़कियां हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करती हैं लेकिन हेयर ड्रायर के समय होने वाली गलतियों की वजह से आपके बाल खराब हो सकते हैं, जिससे आपके शानदार और सिल्की बाल रूखे और बेजान हो सकते हैं।यदि आप अपनी इन गलतियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर लें तो आपको ऐसी किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

-बालों पर सीधे हीट का इस्तेमाल करने से वह खराब हो सकते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि आपको बालों पर हीट प्रोटेक्शन स्प्रे का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपके बाल अध?क रूखे होने से बचेंगे और आप बेहतर परिणाम हासिल कर पाएंगी। - एक साथ पूरे बालों को सुखाना एक चुनौतीपूर्ण काम है, इसलिए बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर ही ड्राई करें। - हेयरड्रायर के साथ कंसन्ट्रेटर जोड़ना जरूरी है। इससे हवा सीधे बालों में जाती है और वह जल्दी सुख जाएंगे।- हेयर ड्रायर को सही तरीके से पकड़े। आपको बता दें कि ड्रायर की बॉडी को कभी नहीं पकड़ना चाहिए। बालों को इस प्रकार उठाएं कि ब्रश और ड्रायर हमेशा समांतर रहें। कंसन्ट्रेटर हैण्डल की दिशा में ही होना चाहिए। इससे हवा आपके बालों पर सीधा पड़ेगी।-ड्रायर के इस्तेमाल करते समय धातु के ब्रश का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे आपके बालों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। आजकल हम सभी कैमिकल उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं और कुदरती ब्रसेल वाले ब्रश ऐसे बालों के लिए बहुत अच्छे होते हैं। ये ब्रश आपके बालों पर अच्छी पकड़ बनाते हैं, और साथ ही ये ओवरहीटिंग से खराब भी नहीं होते। ये बालों के टूटने और उनके अध?क सूखने की परेशानी से भी बचाते हैं। - अगर बाल पूरी तरह से सूखे नहीं हैं तो उन पर कर्ल या आयरन का इस्तेमाल न करें। इससे बाल खराब हो सकते हैं। आप अपने ब्लोअर को कोल्ड सेटिंग पर सेट करें और फिर उससे ड्राय करें। इससे आपको पता चल जाएगा कि आपके बाल सही प्रकार से सूखे हैं या नहीं। -बालों को कड़ा होने से बचाने के लिए फिनिश?ग उत्पादों का इस्तेमाल बहुत जरूरी है। यदि आप इन उत्पादों का इस्तेमाल नहीं करेंगी, तो आपके बाल उलझे-उलझे और उड़े-उड़े से रहेंगे। इसलिए बाल ड्राय करने के बाद उन पर अच्छा सा फिनिशिंग स्प्रे करें। बहुत ज्यादा स्प्रे न करें वरना वे थोड़ी देर में ही बुरे लगने लग जाएंगे। -हेयर ड्रायर तकनीक का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप बहुत आराम और हल्के हाथ से ड्राय करें। सही प्रकार का ब्लो ड्रायर चुनना भी जरूरी है। आपको तापमान और हवा के दबाव को सही रखना चाहिए। ऐसा हेयर ड्रायर चुनें जिसमें 'कम तापमान' की सेटिंग्स के साथ 2 सेटिंग्स हों।

स्टाइलिश नेल आर्ट से बनाएं अपने हाथ और भी खूबसूरत

फेस्टिव सीजन में सेलिब्रेशंस के काफी अवसर होते हैं, इसलिए सजने-संवरने का कोई भी मौका शायद ही कोई महिला खोना चाहती हो। त्योहारों पर अपने लुक्स के साथ अगर आप कोई प्रयोग करना चाहती हैं तो नेल आर्ट एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है...

नाखूनों को आकर्षक और स्टाइलिश लुक देने के लिए नेल पेंट अब बीते जमाने की बात है। हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने में नेल आर्ट बैस्ट ऑप्शन है। यह एक ऐसा आर्ट है जिससे न सिर्फ हम अपने नाखूनों को ही कलर और शेप दे सकते हैं, बल्कि अपने मनचाहे डिजाइन को भी नाखूनों पर सजा सकते हैं। चाहे आप ट्रेडिशनल आउटफिट पहन रही हैं, फ्यूज़न या वेस्टर्न, नेल आर्ट डिजाइंस सबके साथ खूबसूरत लगता है।

नेल आर्ट डिजाइंस देखने में बेहद सुंदर लगते हैं लेकिन बनाना उतना ही मुश्किल लगता है, लेकिन असल में ऐसा है नहीं। हम आसानी से अपनी पसंद के नेल आर्ट डिजाइंस घर पर ही बना सकते हैं। नाखूनों को सजाने-संवारने के लिए मार्केट में कई तरह बेहतरीन विकल्प जैसे एयरब्रश नेल आर्ट, फ्री स्टाइल आर्ट, स्टैंप आर्ट, 3डी नेल आर्ट, वाटर मार्बल, स्टिकर आदि मौजूद हैं। अपनी सुविधा और पसंद से आप अपने नेल्स पर इनमें से कोई भी प्रयोग कर सकती हैं।

एयरब्रश नेल आर्ट : इसमें एयरब्रश मशीन से नाखूनों पर तरह-तरह की डिजाइन बनाई जाती है। एयरब्रश तकनीक से कई रंगों का एक साथ प्रयोग कर सकते हैं लेकिन अगर आप पहली बार एयरब्रश का इस्तेमाल अपने नाखूनों पर कर रही हैं तो दो रंगों से ज्यादा का प्रयोग न करें। यह आपके बहुत सारे कलरफुल कपड़ों से मैच करेगा। साथ ही यह आपके स्टाइल को नया लुक देगा जिससे आप रोज़ बदल भी सकती हैं।

फ्री स्टाइल नेल आर्ट : फ्री स्टाइल नेल आर्ट में आप नेल ब्रश, फैन ब्रश, शेडिंग ब्रश या ग्लिटर डस्ट ब्रश आदि की मदद से किसी भी तरह

का आर्ट बना सकती हैं। सबसे पहले नेल्स पर मनपसंद रंग की नेल पेंट का कोट लगा लें। अब अलग-अलग साइज के बारीक पेंट ब्रश अलग-अलग कलर्स के नेल पेंट में डुबोएं और नेल्स पर कोई फंकी डिज़ाइन बना लें। सूख जाने पर ट्रांसपेरेंट नेल पेंट का एक टॉप कोट लगा लें। **स्टैंप नेल आर्ट :** इसमें स्टैंप से नाखूनों पर डिज़ाइन बनाया जाता है। अगर आप घर पर पहली बार नेल आर्ट ट्राई कर रही हैं तो यह सबसे आसान तरीका है। इसमें समय कम लगता है और गलतियों की गुंजाइश बहुत कम होती है। अगर आपका फटाफट कहीं जाने का प्रोग्राम बन जाता है तो स्टैंप आर्ट सबसे बेहतर विकल्प है। मनपसंद कलर का नेलपेंट लगाएं, उस पर डिज़ाइन की स्टैंप लगाएं, सूख जाने पर ट्रांस्पेरेंट नेल पेंट का एक टॉप कोट लगा लें।

3डी और वाटर मार्बल आर्ट : नेल आर्ट की यह सबसे नई तकनीक है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि आपके नेल्स पर जो भी डिजाइन बना होगा, वह 3 डाइमैंशनल इफैक्ट देगा। नाखूनों पर फूल, कैरेक्टर या अक्षरों के डिजाइन काफी चलन में हैं। इस आर्ट में नाखूनों पर कई रंगों के नेल-पेंट से मार्बल इफैक्ट दिया जाता है। इसके साथ ही, क्रिस्टल का काम और 3-डी स्टीकर देकर भी नाखूनों पर इस तरह के प्रयोग किए जाते हैं। **नेल स्ट्राइप आर्ट :** ये भी एक प्रकार के स्टीकर ही हैं जिन्हें नेल पॉलिश लगाने के बाद नाखूनों पर लगा सकते हैं। ये बाजार में हॉरीजेंटल, वर्टिकल, डायगनल स्ट्राइप्स इत्यादि विभिन्न पैटर्न में उपलब्ध हैं। आप अपन नाखूनों के हिसाब से मनचाहा स्टीकर नेल पॉलिश या ग्लिटर के साथ भी लगा सकती हैं। नेल स्ट्राइप आर्ट को बेहतरीन लुक देने के लिए ट्रांसपेरेंट नेल पेंट का एक टॉप कोट जरूर लगाएं। यह नेल आर्ट आपके हाथों पर क्लासिक लुक देगा। इन्हें आप ऑफिस भी लगा के जा सकती हैं।

चेहरे पर पड़े भद्दे और जिद्दी दागों को इस तरह से हटाएं

चेहरे पर कील-मुंहासे और उनके भद्दे दाग होने से चेहरे की सारी सुंदरता को बिगाड़ देते है। मुंहासों का इलाज नियमित दवा और पूर्ण स्किन केयर से संभव है। मुंहासे ठीक होने के बाद चेहरे पर जिद्दी दाग छोड़ देते हैं। वैसे तो कुछ लोग इन दागो को हटाने के लिए लेजर तकनीक का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन दागों को हटाने के कई प्राकृतिक उपचार भी हैं जिनसे आप बिना किसी दुष्प्रभाव के त्वचा के दागों से छुटकारा पा सकते हैं। **जैतून का तेल :** जैतून यानि की ऑलिव ऑयल लगाने से दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। जैतून का तेल लगाकर कुछ देर भाप लें। इससे रोम छिद्र साफ होते हैं और दाग हल्क हो जाते हैं। **चन्दन :** चन्दन का पेस्ट बनाकर लगाने से भी दाग हल्के होते हैं। चन्दन के पाउडर को गुलाब जल या दूध में मिला लें। इसे दागों पर लगाएं और 1 घंटे के लिए छोड़ दें फिर ठंडे पानी से धो लें। **बादाम :** बादाम को पानी में या दूध में लगभग 12 घंटे के लिए भिगों कर रख दें। इन्हें छिलका उतार कर मसल लें। इसमें गुलाब जल मिला कर दागों पर लगाएं। **नींबू का जूस :** नींबू का जूस 2 हफ़्तों तक दिन में 3 बार पीने से दाग कम होते है। **स्क्रबिंग (रगड़ना) :** बेकिंग सोडा से स्किन को स्क्रब करने से भी दाग हटाने में मदद मिलती है। बेकिंग सोडा को पानी के साथ मिला लें और एक से दो मिनट तक चेहरे पर स्क्रब करें। इसे गर्म पानी से धो दें इस क्रिया को नियमित करें। **आलू :** आलू भी दाग हटाने में मदद करता है। इसमें सल्फर और पोटैशियम की मात्रा होती है। कच्चे आलू मसल लें और इनका जूस दाग वाली जगहों पर लगाएं।

गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी से नहीं मिल रही कोई राहत? फिर जरूर ट्राई करें ये आयुर्वेदिक उपचार

पेट में गैस, सूजन और एसिडिटी आदि समस्याएं आज के समय में बेहद ही आम हो गयी हैं। हर दूसरा व्यक्ति इन समस्याओं से जूझ रहा है। पहले के समय में बुढ़ापे में जाकर ये समस्याएं होती थी, लेकिन आजकल छोटे बच्चों से लेकर जवान लोग तक इनसे परेशान है। पेट की समस्याओं की परेशानी सीने में जलन से शुरू होती है और लोगों को बेचैनी और चिड़चिड़ापन की ओर ले जाती है। पाचन तंत्र को ख्याल में रखे बिना चीजों का सेवन करना पेट में गैस और एसिडिटी का बड़ा कारण है। इसलिए जरुरी है कि लोग अपनी खानपान की आदतों पर ध्यान दें। इसके अलावा एसिडिटी की

समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग आयुर्वेदिक उपचारों को आजमा सकते हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में- **धनिये की चायः** धनिया ठंडा होता है, इसलिए ये पेट की समस्याओं जैसे जलन, गैस और एसिडिटी से राहत दिलाने में मददगार होता है। आयुर्वेद के अनुसार, पेट की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सुबह उठते ही सबसे पहले धनिये की चाय का सेवन करना चाहिए। रोजाना इसका सेवन करने से हफ्तेभर में एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत मिल जाती है। धनिया की चाय बनाने के लिए 1 गिलास पानी में 1 चम्मच धनिये के बीज, 5 पुदीने के पत्ते और 15 करी पत्ते डालें और फिर इसे 5 मिनट तक उबालें। अच्छे से उबल जाने के बाद इसे छानकर पी लें। **खाने के बाद करें सौंफ का सेवनः** सौंफ का इस्तेमाल आमतौर पर खाने के बाद माउथ फ्रेशनर के तौर पर किया जाता है। लेकिन आपको बता दें कि ये बहुत काम की चीज है। खाने के बाद सौंफ का सेवन करने से खाना अच्छे से पच जाता है। इसके अलावा ये एसिडिटी जैसी समस्याओं से भी राहत दिलाती है। इसलिए खाना खाने के बाद एक चम्मच सौंफ का सेवन करें। **गुलाब की चायः** गुलाब से बने कई तरह के ड्रिंक का हम सेवन करते हैं, जो हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। इन्हीं में गुलाब की चाय भी शामिल है। अगर आप पेट की समस्याओं से जूझ रहे हैं तो रात को सोने के समय गुलाब की चाय का सेवन करना शुरू कर दें। ऐसा करने से आपको महीनेभर के अंदर पेट की सभी समस्याओं से राहत मिल जाएगी। गुलाब की चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक कप पानी को उबाल लें। फिर इसमें गुलाब की पंखुड़ियां मिला लें और इसे 5 मिनट और उबाल लें। अब सोने से पहले इस चाय का सेवन करें।

आई शैडो लगाने के बेस्ट तरीके

अगर किसी शादी, पार्टी या सामूहिक फंक्शन में जाती हैं, तो सही मेकअप करना सबसे जरुरी होता है। चेहरे के मेकअप के साथ आंखों का मेकअप भी बहुत ही ज़रूरी है। अगर आप अपनी आंखों को सही प्रकार से हाईलाइट कर लेती हैं तो आधा मेकअप ऐसे ही हो जाता है। आई शैडो आपकी आँखों को हाईलाइट करने तथा इसे सुन्दर बनाने में काफी बड़ी भूमिका निभाता है। अगर आप मेकअप परफेक्ट तरीके से करना चाहती हैं, तो आई शैडो लगाने के बेस्ट तरीके जानिए हमारे इस आर्टिकल में.. **आंखों की पलकों का मेकअप :** आई शैडो प्राइमर, फलों के रस आधारित बेस या कंसीलर लगाएं। इससे पलकों पर आई शैडो काफी सुन्दर दिखेगी। प्राइमर का प्रयोग मेकअप स्पंज या साफ उँगलियों से करें। **पहले न्यूट्रल रंग का प्रयोग करें :** इसे आपका करंट बेस कहा जाता है। इस बेस का प्रयोग किसी भी दूसरे रंग के सबसे हलके शेड के रूप में करें। एक बेहतरीन बेस या प्राइमर आपकी आई शैडो को लम्बे समय तक टिकने में मदद कर सकता है। **शेड चुनें :** जब आप आई शैडो लगाने की प्रक्रिया में हों, तो विभिन्न आई शैडो शेड में से सबसे अच्छे रंग का चुनाव करना आवश्यक है। आई शैडो चुनते समय अपने चेहरे के रंग की तरफ भी ध्यान दें। अगर आपकी त्वचा का रंग सांवला है तो सारे रंग आप पर अच्छे नहीं लगेंगे। इसी वजह से त्वचा के रंग के आधार पर आई शैडो चुनना काफी ज़रूरी है।

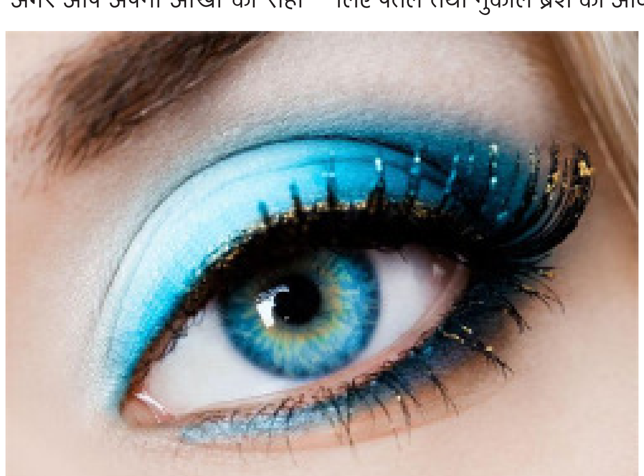

सही ब्रश का चुनाव : आंखों को हाईलाइट करने के लिए सही ब्रश का चुनाव भी आवश्यक है। आपकी आंखों के कोनों को तीक्ष्ण करने के लिए पतले तथा नुकीले ब्रश की आवश्यकता होगी। आंखों की क्रीज़ पर भी सौम्य तथा कठोर डोम ब्रश की आवश्यकता होगी। अगर आप पलकों के काफी पास आई शैडो लगा रही हैं तो इसके लिए एक नरम पेंसिल ब्रश का प्रयोग करें। **सही आई शैडो लगाना :** आई शैडो तो ज़्यादातर महिलाएं प्रयोग करती हैं, पर इन्हें लगाने का तरीका हर किसी को ज्ञात नहीं होता। आपके ब्रश स्ट्रोक्स सही होने चाहिए जिससे कि आई शैडो नैचुरल लगे। पर अगर आप गलत या उलटे ब्रश स्ट्रोक्स लगाती हैं तो ये मेकअप पूरा बिगड़ सकता है। आई शैडो को इस तरह लगाना चाहिए कि आंखों की लाइनिंग तथा आंखों की पलकें एक ही सीधी रेखा में रहे। जब आप पहली बार आई शैडो लगाएं तो आई शैडो को अच्छे से दबाकर इसे अच्छे से लगाएं **बीच के रंग का प्रयोग :** जब आप आंखों पर आई शैडो लगा रही हों तो आपको इसके विभिन्न शेड के बारे में पता होना चाहिए। सबसे पहले सबसे हल्का रंग प्रयोग में लाएं। इसके बाद बीच का रंग डालें जो कि आपके द्वारा प्रयोग किये गए हलके रंग से एक शेड गाढ़ा होना चाहिए। एक समतल ब्रश का प्रयोग इन रंगों पर करें तथा इन्हें पूरी आंखों पर फैलाएं। इस बात का ध्यान रखें कि आँखों की क्रीज़ के ऊपर ज़्यादा ना जाएं।

फैशन डिजाइनर बता रही हैं कौन सी टी-शर्ट है बेहतर

लड़कियों के पहनावे में उनके पास ढेरों ऑप्शन हैं लेकिन जब बात लड़कों की हो तो उनके लिए ऑल टाइम फेवरेट टी-शर्ट ही है। कॉलेज जाना हो या जांगिंग, या फिर ऑफिस, हर जगह उन्हें टी-शर्ट ही भाता है। लड़कों की इसी पंसद को देखते हुए ही बाजार में तरह-तरह की कलरफुल टी-शटर्स की बहार छा गई है। कूल लुक देने वाली इन टी-शटर्स की अलग-अलग वैरायटी मौजूद हैं। फैशन डिजाइनर कनिका सेठ बता रही हैं इन्हीं टी-शटर्स के बारे में- **प्लेन टी-शटर्स :** प्लेन टी-शटर्स में नेक स्टाइल और रंग आप अपनी पंसद के हिसाब से चुन सकते हैं। नेक स्टाइल की बात करें तो इन टी-शटर्स में वी नेक, राउंड नेक, चाइनीज कॉलर नेक, बोट नेक और ट्यूब नेक आदि ज्यादा चलन में हैं। इन टी-शटर्स की खास बात यह है कि इनके साथ आप पसंद की ऐससेरीज भी पहन सकते हैं। इसमें सिर्फ रंग देख कर मिक्स और मैच करने की जरूरत होती हैं। विभिन्न ब्रांडेड शोरूम व मार्केट में दो-तीन प्लेन टी-शटर्स के पैक भी मिलते हैं जो डिजाइनर टी-शटर्स के मुकाबले बेहद किफायती हैं। **प्रिंटेड टी-शटर्स :** अगर प्रिंटेड टी-शटर्स की बात की जाए तो इसके नए कलेक्शन की तो 3डी प्रिंट की काफी डिजाइनर टी-शटर्स बाजार में देखने को मिल रही हैं। वहीं फ्लावर प्रिंट, एनिमल प्रिंट और डिजिटल प्रिंट भी युवाओं को खूब पसंद आ रहा है। **टी-शटर्स विद स्लोगन :** हर साल की तरह इस साल भी स्लोगन वाली टी-शर्टस सभी को खूब पसंद आ रही है। इनमें कैची स्लोगन वाली टी-शटर्स का कॉलेज जाने वाले लड़के-लड़कियों में खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। इनमें भी चटख रंग खासा पसंद किए जा रहे हैं। इसमें लांग व शॉर्ट टीज की नई कलेक्शन यूथ को खूब भा रही है। साथ ही कटाक्ष भरे स्लोगन वाली टी-शर्टस की भी बाजार में अच्छी-खासी धूम है। इस प्रकार की टी-शटर्स रणबीर कपूर, सोहेल खान, सलमान खान जैसे बॉलीवुड स्टार्स की भी हमेशा से पहली पसंद रही हैं। **कार्टून कैरेक्टर वाली टी-शर्ट :** कार्टून कैरेक्टर वाली टी-शर्ट आज सिर्फ बच्चों को ही नहीं, बल्कि यूथ के दिल को भी काफी लुभा रही है। मिकी माउस से लेकर डॉनल्ड डक और डोरेमॉन वाली टी-शर्ट लड़के-लड़कियां खूब पसंद कर रहे हैं। पार्टी से लेकर कॉलेज तक इन्हें पहने हुए युवा आसानी से दिखाई दे जाते हैं। मार्केट में लड़कियों के लिए जहां सफेद, पिंक, रेड, ब्लैक आदि कई रंगों में मिकी-डॉनल्ड, पॉपई, डोरेमॉन आदि की टी-शर्ट हैं वहीं लड़कों को सफेद, काली, ग्रीन, ब्लू आदि रंग काफी पसंद आ रहे हैं। **डबल टीशर्ट :** डबल टीशर्ट का भी युवाओं में इन दिनों खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। इस ट्रेंड के तहत दो अलग-अलग टीशर्ट पहनी जाती हैं। इनमें एक टी-शर्ट पूरी बाजू व कॉलर की होती है जबकि एक आधी बाजू की। पूरी बाजू की कॉलर वाली टी-शर्ट नीचे पहनी जाती है जबकि आधी बाजू की गोल गले वाली टी-शर्ट उपर पहनी जाती है। पहले इसी प्रकार की एक टी-शर्ट आती थी जिसमें कॉलर और बाजू अलग रंग के होते थे। उसे देखकर लगता था कि जैसे दो टीशर्ट पहनी हुई हैं। लेकिन अब यूथ स्टाइल से किसी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहते हैं इसलिए अब वे दो टी-शर्ट पहनने लगे हैं। **रंगों की भरमार :** टी-शर्टस की बढ़ती डिमांड को देखते हुए विभिन्न ब्रांड ने बहुत से रंगों में इसके कलेक्शन बाजार में उतारे हैं। इनमें पर्पल, रेड, यलो, ब्लैक व सफेद सभी के फेवरेट हैं। **दाम में कम, स्टाइल हरदम :** कई ब्रांडेड और रिटेल आउटलेटस पर दो या तीन टी-शर्टस का पैक मिलता है। इसमें मौजूद टी-शर्टस प्रायः प्लेन होती हैं, बस उनके रंग अलग होते हैं। ये पैक लगभग 400 रूपए की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध हैं।

छोटी उम्र में सफेद बाल होने लगें तो करें ये उपाय

बालों का जल्दी सफेद होना एक सामान्य समस्या बन चुकी है। महिल्एं व पुरुष,दोनों समान रुप से इस समस्या से परेशान हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे कई बार अव्यवस्थित जीवनशैली, खान-पान की गलत आदतें और दवाइयों के रिएक्शन। बालों को सफेद होने से रोकने के लिए कई तरह की दवाइयां मौजूद हैं,लेकिन उन्हें इस्तेमाल करने में हमेशा ही एक अंदरुनी डर बना रहता है। कि कोई साइडइफेक्टस न हो। ऐसे में घरेलू उपाय विकल्प हो सकते है। **आंवले का प्रयोग :** आंवला स्वास्थ्य के लिए तो फायदेमंद है ही ,बालों के लिए भी किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसके नियमित इस्तेमाल से सफेद होते बालों की समस्या में राहत मिलती है। जो लोग आंवला खाने से परहेज करते है वे इसका इस्तेमाल मेंहदी और रीठा के साथ मिलाकर कर या इसके अर्क को तेल में मिलाकर भी इस्तेमाल करते हैं। **करी पत्ते का प्रयोग :** बालों के लिए करी पत्ते का इस्तेमाल बहुत ही फायदेमंद होता है।अगर आपके बाल अभी सफेद होना शुरू ही हुए हैं तो पानी में करी पत्ते को डालकर उसी से बाल धोएं। या इनको सुखाकर पेस्ट बनाकर भी बालों में लगा सकते हैं। खाने में भी इसके इस्तेमाल से बालों और त्वचा को फायदा होता है। करी पत्ते के साथ नारियल तेलका प्रयोग करने से बालों की चमक तथा मजबूती बढ़ती है। **प्याज का इस्तेमाल :** प्याज का रस बालों के लिए बेहतरीन है। यह समय से पहले सफेद बालों की समस्या को रोकने में मदद करता है। इससे बालों में नई चमक आ जाने के साथ साथ जूं की समस्या से भी आसानी से छुटकारा मिल जाता है। **एलोवेरा का प्रयोग :** बालों में एलोवेरा के इस्तेमाल से बालों का झड़ना और सफेद होना बंद हो जाता है। आप चाहें तो एलोवेरा के जेल से बालों में मसाज करके इस समस्या को और बढ़ने से रोक सकते हैं। इससे बालों की शाईन भी बढ़ती है। **देसी घी से मालिश :** आपने अपने घर के बुजुर्गों को सिर पर देसी घी से मालिश करते हुए देखा होगा।घी से सिर की त्वचा को पोषण मिलता है। प्रतिदिन घी से सिर की मालिश करके भी बालों के सफेद होने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। **चाय पत्ती और नमक का इस्तेमाल :** एक कप चाय की पत्ती का पानी उबालकर उसमें एक चम्मच नमक मिलाएं। इस मिश्रण को बाल धोने से एक घंटे पहले बालों में लगाएं। बाल फिर से काले होने लगेंगे।

तो स्किन को नहीं पहुंचेगा नुकसान...

हर महिला की यही ख्वाहिश होती है कि वह सबसे खूबसूरत दिखे और उन्हें देखते ही लोग उनकी तरफ समोहित हो जाएं। खूबूसरत दिखने के लिए वह स्टाइलिश कपड़ों और मेकअप का सहारा लेती हैं। अगर आप भी खूबसूरत और सैक्सी दिखने के लिए मेकअप की ही मदद लेती हैं तो आपको बता दें कि हर समय मेकअप करने से आपको स्किन संबंधी

परेशानियां हो सकती हैं। इसी के साथ अगर आपको सही ढंग से मेकअप करना नहीं आता तो आपका सुंदर चेहरा भद्दा भी लग सकता है इसलिए जरूरी हैं कि आप मेकअप करने के तरीके जान लें। **मेकअप के सही तरीकेः-** मेकअप करने के लिए सबसे पहले क्लींजिंग का उपयोग करें। इसे मुहांसों व दाग-धब्बों को छिपाने के लिए लगाया जाता है। इसके बाद में बेस लगाएं। अगर आपकी त्वचा रूखी है तो लिक्विड कंसीलर लगाएं। - आंखों को अच्छी तरह से हाईलाइट करना ज़रूरी होता है। सब से पहले आईशैडो लगाएं। उसके बाद आईलाइनर से पतली लाइन खींचें। फिर आईशैडो के साथ ब्लैंड कर दें। आंखों का मेकअप करते समय मसकारा सब से बाद में लगाएं। - होठों को खूबसूरत दिखाने के लिए पहले लिप पेंसिल से आउटलाइन बनाए। फिर ब्रश द्वारा लिपस्टिक से होठों को फिल करें। होठों को अच्छी लुक देने के लिए उन पर लिप ग्लौस लगाए। - बेस का प्रयोग चेहरे व गले के साथ-साथ कान व गर्दन पर भी करें। इसी के साथ गले को उभारने के लिए ब्लशर का प्रयोग करें। -ध्यान में रखें कि दिन का मेकअप भारी, चुभने वाला व भड़कीला बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र सरदार वल्लभ भाई पटेल की 75वीं पुण्यतिथि मनाया

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सभागार में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी का 75 वां पुण्यतिथि मनाया गया ! अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार, एकीकृत भारत के शिल्पकार, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर सादर नमन। स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के रूप में उन्होंने अदम्य इच्छाशक्ति, असाधारण नेतृत्व और अटल संकल्प के बल पर राष्ट्र की अखंडता को सुनिश्चित किया। पूर्व अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट किसरदार पटेल जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में 562 से अधिक रियासतों का भारत संघ में ऐतिहासिक विलय संभव हुआ, जिसने एक सशक्त एवं संगठित भारत की नींव रखी। सरदार पटेल का जीवन राष्ट्रसेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का अमर आदर्श है, जो देश को एकता व दृढ़ता के मार्ग पर सदैव प्रेरित करता रहेगा। महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एड ने कहा कि हर साल 15 दिसंबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि मनाई जाती है। 1950 में इसी दिन मुंबई में सरदार पटेल का निधन हुआ था। उनके निधन ने पूरे देश को शोक में डाल दिया था। लेकिन उनके योगदान और भूमिका को हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कर लिया गया। वह आज भी करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर चौधरी यशवंत सिंह, राजेश कुमार मौर्य, राजेश कुमार यादव, कामता प्रसाद यादव, राजकुमार पटेल, अजय, सरफराज खान,दशरथ यादव, शैलेंद्र कुमार, राम गुल्ली यादव, वीरेंद्र कुमार, संदीप जायसवाल, प्रदीप यादव, टीटू गुप्ता, रविंद्र पटेल आदि लोगों उपस्थित थे।

नोएडा स्थित श्री अय्यप्पा मंदिर में भक्ति और संस्कृति का सुंदर संगम

देव मणि शुक्ल

नोएडा रविवार संध्या को श्री अय्यप्पा सेवा समिति, नोएडा के तत्वावधान में श्री अय्यप्पा मंदिर, सेक्टर-62 में एक अत्यंत भक्तिमय एवं सांस्कृतिक वातावरण देखने को मिला।इस अवसर पर गुरु मारी एलंगोवन के मार्गदर्शन में लेडीज़ विंग, नोएडा अय्यप्पा सेवा समिति द्वारा प्रस्तुत भजन संध्या ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भावपूर्ण गायन, शास्त्रीय रागों की मधुर प्रस्तुति और समर्पित भाव ने संपूर्ण मंदिर परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत गुरु मारी एलंगोवन की शिष्यों द्वारा भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें शुद्ध नृत्य, भाव-अभिनय और ताल-लय का सुंदर समन्वय देखने को मिला। यह प्रस्तुति भगवान अय्यप्पा के प्रति भक्ति और भारतीय शास्त्रीय कला की समृद्ध परंपरा का सजीव उदाहरण रही। श्री अय्यप्पा सेवा समिति, नोएडा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सभी कलाकारों, गुरुजनों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

घोरावल में 170-वर्षीय पुराने थाना भवन पर अवैध कब्जा, आक्रोश

डीएम ने गठित की तीन सदस्यीय जांच कमेटी टीम

सोनभद्र। सोमवार को घोरावल नगर पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने पुराने थाना भवन पर हो रहे अवैध कब्जे के विरोध में जिलाधिकारी बीएनसिंह को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने 170वर्ष पुराने इस भवन पर बाहरी अराजक तत्वों द्वारा पिछले तीन दिनों से किए जा रहे जबरन कब्जे को तत्काल रोकने तथा दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिलाधिकारी ने अपर जिला अधिकारी न्यायिक रमेश कुमार यादव के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की। समिति में पुलिस क्षेत्राधिकारी घोरावल और अधिशासी अधिकारी को भी सदस्य नियुक्त किया गया है। डीएम ने आश्वासन दिया कि पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार, राकेश कुमार, व्यापार मंडल अध्यक्ष दयाशंकर गुप्ता, नगर पंचायत सभासदगण और स्थानीय मीडिया प्रतिनिधि शामिल थे। स्थानीय नागरिकों ने इस मुद्दे को लेकर उपजिलाधिकारी घोरावल व कोतवाली प्रभारी को भी सूचित किया था, परन्तु कब्जा जारी किया जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक डॉअनिल कुमार मौर्य और पूर्व सांसद राम सकल ने भी इस अवैध कब्जे को रोकने व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। जांच कमेटी को जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

शीतलहर के दृष्टिगत विद्यालय समय परिवर्तन की मांग, शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। अत्यधिक गलन और शीतलहर के बढ़ते असर को देखते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद सोनभद्र के जिलाध्यक्ष योगेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में विद्यालयों के समय में परिवर्तन की मांग को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से वार्ता की गई। इस पर अधिकारी ने आश्वस्त किया कि जिलाधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर शाम तक आवश्यक आदेश जारी किए जाएंगे। शिक्षक संघ ने बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शीघ्र निर्णय की आवश्यकता पर जोर दिया। जिला महामंत्री हुकूम चन्द्र ने कहा कि शीतलहर की स्थिति में समय परिवर्तन से विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों को राहत मिलेगी और शैक्षणिक कार्य सुरक्षित वातावरण में संचालित हो सकेगा। ज्ञापन में जिला संरक्षक जय प्रकाश राय, संयुक्त मंत्री राजेश जायसवाल, जिला संगठन मंत्री चंद्रजीत सिंह सहित प्रशांत जैन, शशी शंकर श्रीवास्तव, उमाशंकर गुप्ता, राजकमल, अभिषेक सोनकर, राहुल साहनी, एहतशाम अंसारी, सदानंद मिश्रा और निरपत पटेल उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी सीतापुर ने किया मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय कि आकस्मिक निरीक्षण

आधुनिक समाचार

सीतापुर।सीतापुर के खैराबाद में स्थित सीएमओ ऑफिस पहुंचकर जिलाधिकारी महोदय ने किया निरीक्षण व अधिकारियों को दिए आवश्यक आदेश इसी क्रम में डीएम ने गैरहाजिर डॉ. विकास से स्पष्टीकरण तलब किया,डॉ. विकास व लिपिक कमल हसन का एक दिन का वेतन भी काटा,कैश बुक रजिस्टर में त्रुटियां मिलने पर लेखाकार मनीष को थमाया चेतावनी पत्र,सीएमओ को सभी चिकित्सकों के लिए मुख्यालय पर निवास करने का कार्यालय आदेश जारी करने के दिए निर्देश डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण करने के दौरान तमाम खामियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएमओ को सुधार के दिए निर्देश।

मृतक सफाई कर्मचारियों के परिवारों को न्याय दिलवाने के लिए डीएम से मिला एडवा व सीटू का प्रतिनिधिमंडल

देव मणि शुक्ल

नोएडा मृतक सफाई कर्मचारियों के परिवारों को न्याय दिलवाने के लिए अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति व सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू गौतम बुध नगर का एक प्रतिनिधिमंडल एडवा की राष्ट्रीय नेत्री कामरेड साहिबा फारूकी के नेतृत्व में जिलाधिकारी मेघा रूपम जी से मिला और उन्हें समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि मकान नंबर ए- 94, सेक्टर- 26, नोएडा में सेफ्टिक टैंक की सफाई करने के दौरान कोकन मंडल और नूनी मंडल जो पश्चिम बंगाल के मूल निवासी और हाल निवासी झुग्गी बस्ती सेक्टर- 9, नोएडा के रहने वाले प्रवासी मजदूर जो 3 मई 2023 को सेफ्टिक टैंक की सफाई के दौरान घटी दुर्घटना में मृत्यू हो गई उक्त मृतक कर्मचारियों के परिवारों को आज तक मकान मलिक या नोएडा प्राधिकरण, श्रम व जिला प्रशासन से कोई मदद नहीं मिली है। ज्ञापन में जिलाधिकारी से मांग की गई है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार मृतक परिवारों को 30-30 लाख रुपया मुआवजा दिलवाया जाए तथा मृतक दोनों मजदूरों की विधवाओं व परिवारों को न्याय, मुआवजा तथा पुनर्वास सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी महोदया ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि मृतकों के परिजनों को न्याय दिलवाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा उपश्रमायुक्त गौतम बुद्ध नगर से फोन पर बातचीत कर उक्त संदर्भ में उचित कार्रवाई किए जाने के दिशा निर्देश भी उन्हें दिए। उसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने उपश्रमायुक्त से भी मुलाकात किया। ज्ञापन देने वालों में सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा, मुकेश कुमार राघव, रामस्वारथ, माकपा जिला सचिव रामसागर, जनवादी महिला समिति की दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आशा यादव व जिला नेता रेखा चौहान, गुड़िया देवी सीमा, अनीता मंडल, लिलिका मॉडल आदि मौजूद रहे।

गरीबों की जरूरत पर खड़े रहना और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना ही मानव का सच्चा दायित्व है - आशा

आधुनिक समाचार

हरहुआ/ वाराणसी। के शिवपुर थाना क्षेत्र के हटिया गाँव की रहने वाली आशा यादव, एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली और पेशे से प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका, आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उन्होंने यह साबित कर दिखाया है कि महिलाएँ अगर ठान लें तो कोई भी काम असंभव नहीं होता। आशा यादव कई वर्षों से बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता में भी लगातार जुड़ी हुई हैं। वे आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका हैं और अपनी संस्था के माध्यम से नियमित रूप से असहाय परिवारों को शिक्षा सामग्री, जरूरत की वस्तुएँ, तथा भोजन आदि वितरित करती रहती हैं। आशा यादव ने बताया कि 'अगर जिंदगी की असली हकीकत देखनी है, तो गरीबों के बीच जाकर देखिए। जब हम अपने घरों में तरह-तरह के व्यंजन बनाते हैं, उसी समय कई लोग सिर्फ इस उम्मीद में बैठे रहते हैं कि शायद उन्हें भी कुछ खाने को मिल जाए। गरीबी इंसान को कितना मजबूर कर देती है, यह वही जानता है जिसने उसे करीब से देखा है।' उन्होंने आगे बताया कि गरीबों की सेवा करना उनके लिए किसी मंदिर जाने से कम नहीं है।'रोजाना जरूरतमंदों की मदद करने से मुझे माँ जैसी शांति और परिवार के सुख में वृद्धि महसूस होती है,' आशा यादव ने समाज से भी अपील की है कि जो भी व्यक्ति सक्षम है, वह आगे आए और उनके साथ मिलकर जरूरतमंद लोगों की सहायता करे। उनका मानना है कि गरीबों की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है।

सुशील पाण्डेय पुनः बने राष्ट्रीय अध्यक्ष, शिक्षक संघ में खुशी की लहर

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर विवाद के बाद सुशील कुमार पाण्डेय को पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में प्रमाणित किया गया है।पिछले छः माह पहले देश के सभी राज्यों के काउंसलरों की सर्वसम्मति से श्री पाण्डेय को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया था। हालांकि कुछ अति महत्वाकांक्षी नेताओं ने स्वयंभू अध्यक्ष बनकर निबंधन महानिरीक्षक कार्यालय, बिहार पटना में अपना दावा पेश किया। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद 05/12/ को निबंधन महानिरीक्षक कार्यालय, बिहार पटना से सुशील कुमार पाण्डेय को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वैधानिक प्रमाण पत्र जारी किया गया।इस घोषणा के बाद जनपद के शिक्षकों और पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। संघ कार्यालय उरमौरा पर जनपदीय पदाधिकारियों ने मिठाई बाँटकर मान्यता मिलने का जश्न मनाया।राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं जिलाध्यक्ष सोनभद्र योगेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि अब पूरे देश के शिक्षकों के लिए यह एकमात्र राष्ट्र स्तर मान्यता प्राप्त संगठन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में केवल उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ही वैध संगठन है और अन्य कथित संगठन के खिलाफ जल्द ही वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जय प्रकाश राय(संरक्षक) हुकूम चन्द्र (जिला महामंत्री) राजेश जायसवाल संयुक्त मंत्री, अमित चौबे , नवीन गुप्ता, चन्द्रजीत सिंह, अभिषेक यादव, प्रशांत जैन, राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी,राजेश द्विवेदी, मनीष शर्मा, शशि शंकर श्रीवास्तव, मोहित लम्बा, एहतशाम अंसारी, सदानंद मिश्रा, निरपत पटेल आदि लोग मौजूद रहें।

दिल्ली की जहरीली हवा बनी गंभीर स्वास्थ्य संकट एम्स में सांस के मरीजों की संख्या बढ़ी

रिपोर्ट सुधांशु शर्मा

दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण का सीधा असर अब लोगों की सेहत पर साफ नजर आने लगा है। राजधानी के प्रमुख अस्पतालों, खासकर एम्स में सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा दर्ज किया गया है। अस्पतालों में रोजाना बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में तकलीफ, खांसी, सीने में जकड़न और आंखों में जलन जैसी समस्याओं को लेकर पहुंच रहे हैं।एम्स के डॉक्टरों के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा और सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खासतौर पर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों पर प्रदूषण का असर ज्यादा गंभीर रूप में देखने को मिल रहा है।चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रदूषण का स्तर ऐसे ही बना रहा, तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने से फेफड़ों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है और हृदय से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, मास्क का प्रयोग करें और सांस संबंधी लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। सवाल यह है कि क्या दिल्ली की हवा अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य आपदा का रूप ले चुकी है?

असंगठित लोगों को संगठित कर करेंगे कांग्रेस को मजबूत- तमेस्वर

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर प्रेस वार्ता में तमेश्वर ने कहीं अपनी बात मजदूर ,कामगारों के साथ हो रहे हैं अन्याय को नहीं करेंगे बर्दाश्त सबको साथ लेकर कांग्रेस को मजबूत करने का किया जाएगा काम

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। मगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय सोनभद्र पर नवनियुक्त असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिला चैयरमैन तमेश्वर तिवारी का कार्यकर्ताओं / पदाधिकारी ने किया जोरदार स्वागत , कार्यालय पर हुई प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष तमेश्वर तिवारी ने कहा कि कारखाने, फैक्ट्री, इमारत ,खदानों में काम करने वाले मजदूर जो असंगठित हैं उन्हें संगठित कर उन पर हुए अत्याचारों की हम लड़ाई लड़ेंगे, साथ ही मजदूरों का रजिस्ट्रेशन /बीमा की भी बात समस्त स्थान पर जहां यह कार्य कर रहे हैं उनको जोड़कर पार्टी को मजबूत करने का काम किया जाएगा । मनरेगा में काम कर रहे हैं मजदूरों के अधिकारों के लड़ाई लड़ने का काम असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस करेगा । जनपद सोनभद्र के अंदर ऐसे समस्त लोग जो दर-2 के ठोकर खाने को विवश है उन सबको साथ लेकर संगठन को मजबूत करते हुए कांग्रेस की विचारधारा उसकी सोच जो देश किया आजादी से लेकर उनके हक अधिकारों की लड़ाई को लड़ने का काम आज तक पार्टी कर रही है उसको आमजन तक पहुचाने का काम शुरू करेंगे । कार्यक्रम में उपस्थित जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि संगठन को उनके आने से मजबूती मिलेगी साथ ही हर वर्ग का जुड़ाव जो कांग्रेस साथ पहले से है और मजबूत होगा , उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) ने कहा कि कांग्रेस हमेशा सबको जोड़कर साथ लेकर चलने का काम करती है अभी हुए रामलीला मैदान दिल्ली के कार्यक्रम में भी हमारे शिर्ष नेतृत्व के नेताओं ने भी यही बात कही कांग्रेस की योजनाओं से लेकर आम जन की लड़ाई लड़ने का काम देश के अंदर का कोई कर रहा है तो केवल कांग्रेस पार्टी है। मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में जिला सचिव /कार्यालय कंट्रोल प्रभारी आशीष सिंह ,कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा ,युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा , राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ,सूचना के अधिकार के जिला चैयरमैन श्रीकांत मिश्रा, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला चैयरमैन राहुल जैन,बृहस्पति भारती, रोहित कुमार, राजू उपस्थित रहे ।

आईएमएस में विश्वविद्यालय परीक्षा की तैयारी पर कार्यशाला

देव मणि शुक्ल

नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में यूनिवर्सिटी एग्जाम रेडीनेस वर्कशॉप का आयोजन हुआ। सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षाओं के लिए प्रभावी रूप से तैयार करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राओं के साथ परीक्षा की प्रभावी तैयारी, समय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य और रणनीतिक अध्ययन पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. विकास धवन ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा केवल ज्ञान की नहीं, बल्कि आत्म-प्रबंधन और अनुशासन की भी होती है। संस्थान विद्यार्थियों को केवल अकादमिक बल्कि मानसिक रूप से भी तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साथ ही पाठ्यक्रम का विभाजन कर योजनाबद्ध अध्ययन, नियमित रिवीजन और मॉक टेस्ट के अभ्यास पर विशेष जोर दिया । कार्यशाला में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को अधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रश्नों को हल करने की सर्वोत्तम रणनीतियों की जानकारी दी। साथ ही उत्तर लेखन में इन्फोग्राफिक्स के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया, जिससे उत्तरों को अधिक स्पष्ट, आकर्षक और अंक प्राप्ति के अनुकूल बनाया जा सके। कार्यशाला के दौरान बीबीए के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने छात्रों से टेस्ट पेपर का अभ्यास, सोशल मीडिया से दूरी, पर्याप्त नींद और संतुलित आहार लेने की सलाह दी। वहीं कार्यक्रम के दौरान डॉ. आरके मिथारिया ने छात्रों से परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन की रणनीतियों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्रों से सीमित समय में प्रश्न पत्र को कैसे पढ़ें, उत्तरों की योजना कैसे बनाएं और पूरे प्रश्न पत्र को संतुलित ढंग से हल करने पर जोर दिया।

नोएडा स्टेडियम में होगा 15वें उत्तराखंड महाकौथिग मेले का आयोजन

सात दिनों तक दिखेगी देवभूमि की लोक-संस्कृति, परंपरा और विरासत

देव मणि शुक्ल

नोएडा। उत्तराखंड की समृद्ध लोक-संस्कृति, परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से पर्वतीय सांस्कृतिक संस्था (रजि.) द्वारा 15वें उत्तराखंड महाकौथिग मेले का भव्य आयोजन किया जा रहा है। मेले को लेकर मंगलवार को नोएडा मीडिया क्लब में आयोजकों द्वारा प्रेसवार्ता कर कार्यक्रम की जानकारी दी गयी,संस्था के मुख्य संयोजक राजेंद्र चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की यह सात दिवसीय लोक कला एवं हस्तशिल्प मेला 19 दिसंबर से 25 दिसंबर 2025 तक सेक्टर-21 स्थित नोएडा स्टेडियम में आयोजित होगा। महाकौथिग मेले में उत्तराखंड के विभिन्न अंचलों की लोकसंस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। इसमें लोकनृत्य, लोकगीत, जागर, पारंपरिक वाद्ययंत्र, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल होंगी। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करना, स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करना तथा समाज के सभी वर्गों को संस्कृति से जोड़ना है।

वहीँ संस्था के अध्यक्ष हरीश असवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष महाकौथिग के मुख्य मंच को उत्तराखंड के प्रसिद्ध जागेश्वर धाम मंदिर की थीम पर सजाया जाएगा। लोक संस्कृति, रीति-रिवाज, औद्योगिक विकास एवं धार्मिक परंपराओं का अद्भुत संगम एक ही स्थान पर देखने को मिलेगा। गत वर्ष दर्शकों की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार मेले की अवधि पांच दिन से बढ़ाकर सात दिन कर दी गई है। हर वर्ष की तरह इस बार भी उत्तराखंडी उत्पादों, आभूषणों एवं खानपान के आकर्षक स्टॉल लगाए जाएंगे। संस्था के चेयरमैन आदित्य घिल्डियाल ने जानकारी देते हुए बताया कि महाकौथिग मेले में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मेले में शिरकत करेंगें उन्होंने बताया कि शुक्रवार 19 दिसम्बर को सुबह हवन और पूजा के साथ मेले का शुभारंम होगा, जिसमें प्रत्येक दिन विभिन्न लोक गायक और गायिकाओं की प्रस्तुति भी होगी, जिनमें पद्मश्री डॉ. प्रीतम भरतवाण (जागर सम्राट),लोक गायक विवेक नौटियाल, दीपा नागरकोटि एवं राकेश खनवाल,लोक गायक किशन महिपाल, रेशमा शाह एवं कैलाश कुमार,ललित फौजी, अमित सागर, मेघना चंद्रा एवं सरिता पौडेल,लोक गायक अजय ढौंडियाल, दीवान कनवाल एवं मंगलेश डंगवाल,गढ़रत्न नरेन्द्र सिंह नेगी,स्वर कोकिला कल्पना चौहान, हेमा भैसोड़ा एवं रोहित चौहान की उपस्थिति अहम रहेगी,वहीँ खाने के शौकीन लोगों के लिए भी इस मेले में 30 से ज्यादा स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर उत्तराखंड के विभिन्न प्रकार के व्यंजन उपलब्ध रहेंगें,जिसमें में मंड़वे की रोटी, झंगुरे की खीर, अरसा, चैसोणी, कंडाली का साग, बाल मिठाई समेत अन्य उत्तराखंड के प्रमुख खाने पीने के सामान उपलब्ध होगा। इसके अलावा मंडवे की रोटी, झंगरे की खीर और कंडाली का साग का स्वाद लोगो को खूब लुभाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान संस्था के मुख्य संयोजक राजेंद्र चौहान, संस्थापिका कल्पना चौहान, चेयरमैन आदित्य घिल्डियाल, अध्यक्ष हरीश असवाल, संयोजिका इंदिरा चौधरी, जगत रावत, शीला पंत, मीडिया प्रभारी रजनी जोशी, सत्येंद्र नेगी, नीरज रावत सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली गई

आधुनिक समाचार
देव मणि शुक्ल

नोएडा।भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा एक विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें 750 माता बहनों ने कलश उठाएं मंत्र उच्चारण के साथ भागवत जी की और कलश की पूजा हुई हमारे मुख्य यजमानों द्वारा भागवत जी को शीश पर रखकर यात्रा निकाली गई सुंदर झांकियां बैंड बाजे नगाड़े के साथ भागवत कथा के शुभारंभ से पहले नगर भ्रमण किया गया नाच गाकर बड़े हर्ष उल्लास के साथ नगर वासियों ने इसमें सालिया कलश यात्रा का जगह-जगह पर स्वागत किया गया फूलों की वर्षा हुई जलपान की व्यवस्था की गई और कलश यात्रा में चल रहे समिति के सभी सदस्यों का भी अभिनंदन और स्वागत किया इस कलश यात्रा के माध्यम से एक संदेश देना है देवेंद्र गंगल, राम रतन शर्मा, सौरभ अग्रवाल, संजय बाली, प्रताप मेहता, राकेश कटयाल, पंकज जिंदल, विपिन मल्हन, प्रदीप अग्रवाल, अतुल वर्मा, संजय गोयल, अल्पेश गर्ग, संदीप अग्रवाल अनुज गुप्ता, राघव अग्रवाल, रोहतास गोयल, भूपेंद्र मित्तल, राजीव अजवानी, मुकेश गुप्ता, केशव गंगल, कुलदीप कटिहार, मनीष अग्रवाल, एन के गुप्ता, अभय अग्रवाल महेश बाबू गुप्ता अक्षय पारीक, कुलदीप गुप्ता, निखिल गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, अनुज मंगल, चंद्रेश शर्मा, सुमित अग्रवाल, आशीष जिंदल, राजेश बंसल, राजीव गर्ग के के बंसल उपस्थित रहें।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास, टी-20 क्रिकेट में यह रिकॉर्ड बनाने वाले बने पहले भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है और अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में लगातार तीसरी बार दो विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज ने 818 अंकों का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया है।

दाएं हाथ के लेग स्पिनर ने श्रृंखला के पहले तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, जिनमें धर्मशाला में खेले गए तीसरे भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवरों में 2/11 के उनके प्रभावशाली आंकड़े शामिल हैं, जिन्होंने भारत की सात विकेट की शानदार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 818 रेटिंग अंकों के साथ, चक्रवर्ती अब दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) से 119 अंकों की बड़ी बढ़त पर हैं। 34 वर्षीय चक्रवर्ती टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक शीर्ष 10 में भी शामिल हो गए हैं।

यह खबर भारत के लिए समय पर आई है, क्योंकि वेस्ट इंडीज में पिछले साल जीती गई आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की उपाधि का बचाव करने में दो महीने से भी कम समय बचा है। चक्रवर्ती से उम्मीद की जा रही है कि वे लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की दौड़ में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में भी कई सुधार देखने को मिले हैं। मार्को जानसेन 14 पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर, लुंगी एनगिडी 11 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ओटनेल बार्टमैन शीर्ष 100 से बाहर से छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अब आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के दो बल्लेबाज शीर्ष पांच में शामिल हैं। तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन शानदार पारियों के बाद दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी आरामदायक बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्कराम और क्विंटन डी कॉक ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। मार्कराम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि डी कॉक हाल के कुछ उत्साहजनक प्रदर्शनों के बाद 14 पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर आ गए हैं।

बोली लगती गई, मैं रोने लगा... पैसों की बारिश देख छलकने लगे आंसू

रातों-रात करोड़पति बनने पर कार्तिक शर्मा का ऐसा हाल हुआ

नई दिल्ली। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा भावुक होकर रो पड़े। कार्तिक आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे अधिक कीमत पाने वाले अनकैप्ड (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी बन गए हैं।

अबू धाबी में मंगलवार को हुई नीलामी में कार्तिक और उत्तर प्रदेश के प्रशांत वीर 30 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी में उतरे थे, लेकिन चेन्नई ने इन दोनों पर 14.20 करोड़ रुपये खरीद कर नया रिकॉर्ड बनाया। राजस्थान के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने जियोहॉटस्टार की एक विज्ञप्ति में कहा, 'जब बोली शुरू हुई तो मुझे डर था कि कहीं मैं चूक न जाऊं। लेकिन जैसे-जैसे बोली बढ़ती गई, मैं रोने लगा। बोली समाप्त होने के बाद मैं आंसू नहीं रोक पाया। मैं भावनाओं और खुशी से अभिभूत था। सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि इसे शब्दों में कैसे व्यक्त करूं।' कार्तिक के लिए बोली लगाने की शुरुआत मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने की, जिसके बाद कोलकाता नाइटराइडर्स भी इसमें शामिल हो गया। मुंबई जल्द ही बोली से बाहर हो गया जिसके बाद कोलकाता और लखनऊ ने कार्तिक की कीमत को 2.80 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।इसके बाद ही चेन्नई ने बोली में प्रवेश किया। बाद में सनराइजर्स हैदराबाद भी इसमें शामिल हो गया था लेकिन आखिर में चेन्नई ने 14.20 करोड़ रुपये में सौदा पक्का कर लिया। कार्तिक ने कहा कि वह महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही अपने परिवार और दोस्तों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उन्हें यहां तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार के सभी सदस्यों और दोस्तों को विशेष आभार। उनके समर्थन के बिना मुझे नहीं लगता कि मैं इस मुकाम तक पहुंच पाता। मेरा पूरा परिवार बहुत खुश है।

संक्षिप्त समाचार

दुश्मनों के लिए खौफ का दूसरा नाम है 'फ्लाइंग टैंक', भारतीय सेना को अमेरिका से मिला तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों का अंतिम बैच

नई दिल्ली। भारतीय सेना को संयुक्त राज्य अमेरिका से तीन एएच-64ई अपाचे हमलावर हेलीकॉप्टरों का अंतिम जत्था प्राप्त हुआ, जिससे राजस्थान के जोधपुर स्थित 451 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन के लिए छह हेलीकॉप्टरों का पूरा बेड़ा तैयार हो गया। जानकारी के अनुसार, आधिकारिक तस्वीरें बुधवार सुबह जारी की जाएंगी। हेलीकॉप्टर गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर उतरे। तीन अपाचे हेलीकॉप्टरों का पहला जत्था लगभग 15 महीने की देरी के बाद जुलाई में भारत पहुंचा था। शेष तीन हेलीकॉप्टरों का तब से इंतजार किया जा रहा था, जिससे मार्च 2024 में गठित होने के बावजूद स्क्वाड्रन परिचालन में सीमित रहा। इससे पहले, खबरें थीं कि अंतिम जत्थे को भारत पहुंचने के बाद औपचारिक रूप से सेवा में शामिल करने से पहले असेंबल और निरीक्षण किया जाएगा।

घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर100 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं, इंडिगो ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के कारण उड़ान संचालन बाधित हुआ, जिससे एयरलाइंस को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के एक अधिकारी के अनुसार, घने कोहरे के कारण 131 उड़ानें रद्द की गईं। अधिकारी ने कहा कि कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से अब तक 52 प्रस्थान और 79 आगमन रद्द किए जा चुके हैं। भारत के उत्तरी भागों, जिनमें दिल्ली भी शामिल है जो एयर इंडिया का प्रमुख केंद्र है। इन स्थितियों का अक्सर एयरलाइन नेटवर्क के उड़ान समय पर व्यापक प्रभाव पड़ता है, जिससे व्यापक देरी और उड़ानें रद्द हो जाती हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने आधिकारिक तौर पर 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक की अवधि को शीतकालीन ऋतु के लिए कोहरे की अवधि घोषित किया है।

सुवेंदु अधिकारी और भाजपा ने मेस्सी इवेंट के कुप्रबंधन को लेकर कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया; मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि विरोध जारी रहेगा और भाजपा ने इस मामले में अदालत में याचिका भी दायर की है। उन्होंने कहा कि विरोध जारी रहेगा और हमने कल अदालत में अपील भी दायर की है। अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की भी मांग की। इससे पहले आज, भाजपा सांसद शशांक मणि ने लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में हुई अराजकता और तोड़फोड़ को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की आलोचना की।

लोकसभा में वीबी-जी राम जी बिल पर चर्चा,परमाणु ऊर्जा बिल पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। शीतकालीन सत्र का यह आखिरी सप्ताह है। आज भी दोनों सदनों में सामान्य रूप से कामकाज हुआ। हालांकि मनरेगा के नाम बदलने और नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर विपक्ष की ओर से शोर शराबा भी हुआ। बावजूद इसके दोनों सदनों में समान रूप से कामकाज देखने को मिला। सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025) पर राज्यसभा में चर्चा हुई। राज्यसभा में विपक्ष ने सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग की। लोकसभा ने अपने पूर्व सदस्य राम विलास वेदांती के निधन पर बुधवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। सदन की बैठक शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व सांसद डॉ राम विलास वेदांती के निधन की सूचना दी। लोकसभा ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को विपक्ष के विरोध के बीच बुधवार को मंजूरी प्रदान की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटीः ग्रामीण विकास विधेयक, 2025 प्रस्तुत किया। यह विधेयक विकसित भारत 2047 की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप ग्रामीण विकास ढांचा स्थापित करने के लिए है, जिसके तहत प्रत्येक वित्तीय वर्ष में उन सभी ग्रामीण परिवारों को एक सौ पच्चीस दिनों के मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी। इस बिल पर लोकसभा में चर्चा हुई।

संसद ने बुधवार को अप्रचलित और पुराने हो चुके 71 कानूनों को समाप्त करने या संशोधित करने के प्रावधान वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक, 2025' को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इस विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे कल ही पारित कर चुकी है। सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में बताया किइलेक्ट्रॉनिक सिगरेट भारतीय कानून के तहत पूरी तरह प्रतिबंधित हैं तथा स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने ई-सिगरेट और वेप उपकरणों की जब्ती से संबंधित किसी भी मामले की जांच नहीं की है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए) के तहत प्रतिबंधित हैं। रेल दुर्घटनाओं और कवच सुरक्षा प्रणाली को लेकर द्रमुक के एक सांसद के दावों को खारिज करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि आज दो हजार किलोमीटर से अधिक रेल मार्ग पर कवच सुरक्षा प्रणाली लगाने का काम पूरा हो चुका है और देश में यह काम तेजी से चल रहा है। राज्यसभा में बुधवार को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि बहु लेन निर्बाध परिवहन (एमएलएफएफ) टोल प्रणाली और एआई-संचालित राजमार्ग प्रबंधन देश भर में 2026 के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा और इसके लागू होने के बाद ये प्रौद्योगिकी यात्रियों के लिए टोल नाके पर प्रतीक्षा समय को समाप्त कर देंगी। रसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि संचार की 5जी तकनीक के मामले में भारत की सफलता केवल देश की नहीं बल्कि पूरे विश्व की कहानी बन गई है और भारत 6जी में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल से लेकर डीसीपी तक 9,248 पद हैं रिक्त, केंद्र ने संसद को किया सूचित

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल से लेकर पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) और अतिरिक्त डीसीपी तक के विभिन्न पदों पर कुल 9,248 रिक्तियां हैं, जबकि वर्तमान में पुलिस बल में 92,044 जवान कार्यरत हैं। सरकार ने बुधवार को संसद को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने राज्यसभा के साथ दिल्ली पुलिस में 30 नवंबर, 2025 तक की कुल स्वीकृत संख्या और रिक्तियों सहित जानकारी साझा की। आंकड़ों के अनुसार, डीसीपी और अतिरिक्त डीसीपी पदों की स्वीकृत संख्या 60 है, जिनमें से 13 पद रिक्त हैं।

अतिरिक्त डीसीपी के कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में, 54 अधिकारियों की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 15 पद खाली हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर पर, स्वीकृत 346 पदों में से 125 पद रिक्त हैं। दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर के 1,453 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 108 रिक्त हैं, जबकि सब-इंस्पेक्टरों में स्वीकृत 8,087 पदों के मुकाबले 1,039 पद रिक्त हैं। बल में सहायक सब-इंस्पेक्टरों की स्वीकृत संख्या 7,320 है, जिनमें से 300 पद वर्तमान में रिक्त हैं। हेड कांस्टेबल स्तर पर, स्वीकृत 23,724 पदों में से 3,057 पद रिक्त हैं। इसी प्रकार, कांस्टेबलों में, स्वीकृत 50,946 पदों के मुकाबले 4,591 रिक्तियां हैं। यह जानकारी केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस सांसद प्रकाश चिक बराइक द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। राय के उत्तर में आगे कहा गया है कि 'सरकार ने गौर किया है कि रिक्तियां एक गतिशील प्रक्रिया है, जो सेवानिवृत्ति, पदोन्नति, इस्तीफे और अन्य कारणों से उत्पन्न होती हैं, और इन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया है।' दिल्ली पुलिस के अंतर्गत पदवार कुल स्वीकृत संख्या और रिक्तियों के बारे में पूछे जाने पर राज्य मंत्री ने अपने उत्तर में कहा, 'रिक्त पदों की जानकारी नियमित रूप से भर्ती एजेंसियों को दी जाती है, और भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियुक्तियां की जाती हैं, जिसमें लिखित परीक्षा, शारीरिक परीक्षण और चिकित्सा परीक्षण शामिल हैं।'

बंगाल की खाड़ी में नो फ्लाई जोन का ऐलान कौन सा मिसाइल टेस्ट करने वाला है भारत

कोलकाता (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर विशाखापत्तनम तट के पास बंगाल की खाड़ी में एक निर्दिष्ट क्षेत्र के लिए वायुसैनिकों को नोटिस (नोटिस) जारी किया है। यह अधिसूचना 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक प्रभावी रहेगी, जो इस अवधि के दौरान प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र को दर्शाती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अधिसूचित परीक्षण गलियारे की अनुमानित सीमा लगभग 3,240 किलोमीटर है, जो एक लंबी दूरी की रणनीतिक गतिविधि का संकेत देती है। नोटम जारी होने से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि भारत समुद्र आधारित मिसाइल परीक्षण की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इस गतिविधि में शामिल मिसाइल प्रणाली या प्रक्षेपण मंच के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सुरक्षा और समन्वय सुनिश्चित करने के लिए समुद्र में किए जाने वाले प्रमुख रणनीतिक परीक्षणों से पहले इस तरह की अधिसूचनाएं नियमित रूप से जारी की जाती हैं। इससे पहले 11 दिसंबर को, बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3,550 किलोमीटर के क्षेत्र के लिए 17 से 20 दिसंबर के बीच इसी तरह का नोटम जारी किया गया था।

जब किसी विशिष्ट हवाई क्षेत्र को नागरिक हवाई यातायात से मुक्त करना आवश्यक होता है, तब नोटम जारी किया जाता है। पाकिस्तान के साथ पहले के तनावों के दौरान भी इसी तरह के नोटिस जारी किए गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी यात्री विमान संभावित हवाई अभियानों के बीच न फंस जाए। यह वाणिज्यिक विमानों को सैन्य गतिविधि वाले क्षेत्रों से दूर रखकर नागरिक हताहतों को रोकने में सहायक होता है। एक बार नोटम जारी हो जाने के बाद, किसी भी नागरिक विमान को निर्धारित हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने की अनुमति नहीं होती है। इससे वायु सेना के जेट, मिसाइल और ड्रोन बिना किसी टकराव के जोखिम के स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। नागरिक उड़ानों की अनुपस्थिति से गैर-लड़ाकू लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है।

राहुल का जर्मनी से 'मेक इन इंडिया' पर जोरः उत्पादन में पीछे विनिर्माण क्षेत्र को चाहिए गति

नई दिल्ली। जर्मनी दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के गिरते विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और कहा कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाना होगा। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, गांधी बीएमडब्ल्यू कारखाने के अपने दौरे के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि हम बीएमडब्ल्यू कारखाने गए थे - शानदार अनुभव रहा - और मुझे यह देखकर विशेष रूप से खुशी हुई कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है, और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी।इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जर्मनी के अपने पांच दिवसीय दौरे के दौरान बर्लिन हवाई अड्डे पर आगमन पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

दुश्मन पर कड़ा आघात करने के लिए नई रणनीति, सेना ने विशेष सैन्य ट्रेन के जरिए कश्मीर घाटी में टैंक और तोपखाने शामिल किए!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने एक विशेष सैन्य ट्रेन का उपयोग करके कश्मीर घाटी में टैंक, तोपें और इंजीनियरिंग उपकरण सफलतापूर्वक पहुँचाकर रसद के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की। ??इस अभियान से भारत की उत्तरी सीमाओं पर सेना की गतिशीलता, त्वरित प्रतिक्रिया और परिचालन तत्परता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। एक व्यापक सत्यापन अभ्यास के तहत, टैंक, तोपें और डोजर सहित भारी युद्धक और सहायक उपकरण जम्मू क्षेत्र से दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग तक सुचारू रूप से पहुँचाए गए। इस अभ्यास ने कठिन भूभाग और खराब मौसम की स्थिति के बावजूद संवेदनशील और उच्च ऊंचाई वाले परिचालन क्षेत्रों में भारी संसाधनों को तेजी से जुटाने की सेना की बढ़ी हुई क्षमता को प्रदर्शित किया। रेलवे मंत्रालय के साथ घनिष्ठ समन्वय में सफलतापूर्वक की गई इस परियोजना ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के बढ़ते रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया। मूल रूप से एक कनेक्टिविटी पहल के रूप में परिकल्पित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक अब जम्मू और कश्मीर में त्वरित रसद निर्माण और सतत सैन्य अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभरी है। रेल मार्ग से भारी बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने की तैनाती से तैनाती का समय काफी कम हो जाता है और सड़क काफिलों पर निर्भरता घट जाती है, जो अक्सर मौसम और भौगोलिक बाधाओं से प्रभावित होते हैं। यह क्षमता शांतिपूर्ण तैनाती और संघर्ष दोनों स्थितियों में अधिक विश्वसनीय और निर्बाध आपूर्ति श्रृंखलाएँ सुनिश्चित करती है।एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कश्मीर घाटी में बख्तरबंद और तोपखाने संपत्तियों की सफल तैनाती से भारतीय सेना की परिचालन लचीलता और प्रतिरोध क्षमता मजबूत होती है। बयान में आगे कहा गया है कि रेल द्वारा त्वरित लामबंदी से सेनाएं कम समय में महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुदृढ़ कर सकती हैं, जिससे सैन्य अभियानों के पूरे स्पेक्ट्रम में तैयारी बढ़ती है।

नई सरकार बनने के बाद पहली बार बोधगया पहुंचे सीएम नीतीश, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को बोधगया के महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्हें विकास पुरुष के नाम से जाना जाता है, महाबोधि मंदिर पहुंचे। बिहार में नई सरकार बनने के बाद यह उनकी पहली यात्रा है। उन्होंने बिहार में शांति और विकास के लिए प्रार्थना की। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य ने आगे बताया कि उन्होंने बोधि वृक्ष के समक्ष पूजा में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के संदेश को भुलाया नहीं जा सकता क्योंकि विश्व भर में शांति और उनके संदेश की आवश्यकता है। इससे पहले मंगलवार को नीतीश कुमार ने बिहार में लागू होने वाले 7 निश्चय-3 कार्यक्रम की घोषणा की। यह इस कार्यक्रम की तीसरी कड़ी है। 7 निश्चय योजना की पहली किस्त 2015 से 2020 के बीच पूरी हुई, और 7 निश्चय-2 योजना 2020 से 2025 के बीच पूरी हुई। बिहार के मुख्यमंत्री ने इस संबंध में लिखा, '24 नवंबर, 2005 को हमारी सरकार के गठन के बाद से, राज्य में कानून का शासन रहा है, और लगातार 20 वर्षों तक सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास के लिए काम किया गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में सुशासन के तहत 7 निश्चय (2015-2020) और 7 निश्चय-2 (2020-2025) कार्यक्रमों में न्यायपूर्ण विकास से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने के बाद, अब बिहार को सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए 7 निश्चय-3 कार्यक्रम को लागू करने का निर्णय लिया गया है।

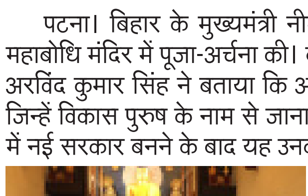

21 परम वीर चक्र विजेताओं की तस्वीर, वीजिटर्स को राष्ट्रीय नायकों के बारे में बताना मकसद

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में परम वीर दीर्घा का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

जी राम जी बिल पर बोले शिवराज सिंह चौहान

गांधी जी के सपने को पूरा करेगा विधेयक, 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में 'विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025' पेश किया। यह विधेयक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) 2005 का स्थान लेगा। चौहान ने बताया कि नए कानून के तहत 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की गारंटी दी गई है, जो पहले के 100 दिनों से अधिक है। उन्होंने कहा, 'मैं आपको विधेयक संख्या 3 के बारे में बताना चाहता हूं, जिसे भारत में 2005 में लागू किया गया था। और अब, विकसित भारत रोजगार एजेंसी (एमएजी) के लिए 2025 में गारंटी मिशन अनुदान के बारे में।'

शिवराज ने कहा कि सदन लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है।

प्रतिपक्ष के मित्रों से निवेदन है कि मेरा जवाब ध्यानपूर्वक सुनें; मैं हर प्रश्न का उत्तर दूंगा। मंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत - जी राम जी बिल' विकसित भारत के लिए, विकसित गांव का बिल है। यह बिल महात्मा गांधी जी के स्वावलंबी, स्वयं पूर्ण, गरीबी मुक्त और रोजगार युक्त गांव बनाने का बिल है। इसमें 100 दिन की रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' देश में रामराज्य लाने और महात्मा गांधी के सपनों को पूरा करने के लिए लाया गया है। विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रभु राम चाहते थे तो मंदिर बन गया और अब वह चाहते हैं कि विकसित गांव बने।

उन्होंने कहा, ''यह विधेयक रामराज्य लाने के लिए लाया गया, गांधी जी के सपनों को पूरा करने के लिए लाया गया है।'' अग्रवाल ने मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा, ''कांग्रेस ने गांधी जी को ब्रांड के रूप में इस्तेमाल किया था, लेकिन (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी के सपनों को साकार किया है।'' भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनरेगा को सिर्फ जेब भरने का साधन बना लिया था। अग्रवाल ने कहा कि 'जी राम जी' से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा गांवों का चौतरफा विकास होगा तथा भ्रष्टाचार रूकेगा। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से हिंदुत्व और सनातन की भावना उभरकर सामने आई है।

बादशाह की बीवी के गजब हैं ठाठ जिसका इवेंट उसे ही दे गईं मात

सूट-बूट में बॉस लेडी बन गौरी खान ने ढाया कहर

मुम्बई। शाहरुख खान बॉलीवुड के बादशाह हैं, तो उनकी पत्नी गौरी खान भी कुछ कम नहीं हैं। उन्होंने न सिर्फ बतौर इंटीरियर डिजाइनर अपनी एक अलग पहचान बनाई, बल्कि वह रेस्टोरेंट की मालकिन होने के साथ ही अपने होम प्रोडक्शन रेड चिलीज की जिम्मेदारी भी संभालती हैं। उन्होंने 'रा.वन', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'जवान' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया, तो वह स्टाइल के मामले में भी किसी से पीछे नहीं रहतीं। भले ही गौरी के सभी काम पर्दे के पीछे वाले हैं, लेकिन अपने ग्लैमरस रूप से टक्कर वह कैमरे के आगे रहने वाली हीरोइनों को भी दे जाती हैं। अब गौरी का लेटेस्ट लुक ही देख लीजिए, जब वह जियो वर्ल्ड प्लाजा में फाल्गुनी शेन पीकॉक के स्टोर लॉन्च के लिए पहुंचीं। जहां काले लिबास में स्वैग दिखा वह सबको पीछे छोड़ गईं, तो उनका अनारकली लुक भी ध्यान खींच ले गया। 55 साल की गौरी अक्सर ही बॉलीवुड इवेंट्स में स्पॉट होती हैं। जहां उनका हमेशा स्टाइलिश रूप देखने को मिलता है, तो अक्सर वह सूट- बूट में ही नजर आती हैं। जिसे स्टाइल करने के अपने तरीके में वह हर बार कुछ नया करने का ट्राई करती हैं। कभी वह जींस के साथ ब्लेजर पहनती हैं, तो कभी शिमरी ब्लेजर पहन ग्लैम ऐड करती हैं। लेकिन, इस बार ऑल ब्लैक लुक में गौरी का स्टाइल गजब लगा। दरअसल, गौरी ने इवेंट के लिए ब्लैक शिमरी फैब्रिक से बना ब्लेजर पहना। जिसे पॉकेट्स और बटन देकर पावरफुल लुक दिया, तो लैपिल भी कोट वाला ही है। लेकिन, इसकी स्लीव्स को हाफ रखा, जो उनके सूट- बूट वाले बाकी लुक से हटके है। जिसके साथ उनका फ्लेयर्ड ट्राउजर भी शानदार लगा। जहां गौरी का ब्लेजर परफेक्ट फिट का है, तो ट्राउजर को फिटेड न रखकर वाइड लेग्स के साथ फ्लेयर्ड पैटर्न दिया। जिसकी फ्लोर लेंथ हेम और ढीला- ढाली डिजाइन उनके लुक को क्लासी फील दे रहा है। जिसे वह प्रेस के साथ कैरी करके अपना कातिलाना रूप दिखा गईं। जिसे स्टाइल करने का तरीका भी एकदम रिच और स्टनिंग है। अपने हर लुक में रईसी के साथ रॉयल वाइब्स ऐड करने वाली गौरी यहां मिनिमल ज्वेलरी पहने हुए हैं। जिसने उनके बॉसी लुक को बड़े-ही शानदार तरीके से कॉम्प्लिमेंट किया। चाहे उनका चोकर सेट हो या फिर ब्रेसलेट और वॉच वाला अंदाज, सबकुछ गौरी के लुक के साथ परफेक्ट तरीके से ब्लेंड हो गया और वह अपनी अदाओं का जलवा बिखेर गईं। यही नहीं इससे पहले एक इवेंट में गौरी देसी लुक दिखाकर भी बाजी मार चुकी हैं। उन्होंने प्लेन ब्लैक अनारकली वेअर किया। जिसके अपर पोर्शन को सिंपल रखा, तो स्कर्ट में छोटी-छोटी प्लीट्स से ढेर सारा घेर ला दिया। जिसकी बेल स्लीव्स के बॉर्डर को एम्ब्रॉयडरी के साथ सेक्विन सितारे लगाकर खूबसूरती से सजाया है। जिस पर शेर जैसे पैटर्न बने हैं, तो गोल नेकलाइन को भी लाइनिंग पैटर्न में सितारे लगाकर हाइलाइट किया। जहां अनारकली का गोल्डन फ्लोरल प्रिंट और सेक्विन से सजा चौड़ा बॉर्डर भी शानदार लग रहा है। अनारकली के साथ गौरी ने मैचिंग दुपट्टा पेयर किया और उसे एक साइड अपने हाथ पर सादे तरीके से कैरी कर लिया। जहां बॉर्डर पर हुआ सुनहरा और गाजरी काम बेहद सुंदर लगा, जिसे सेक्विन सितारे लगाकर फाइनल टच दिया है। वहीं, नेकलाइन के एकदम ऊपर आता उनका गोल्डन चोकर सेट लुक की ब्यूटी को बढ़ा गया, तो झुमके, रिंग और ब्रेसलेट वाला अंदाज भी गौरी के देसी लुक के साथ बखूबी जच रहा है।

शाह रुख खान बने दुनिया के मोस्ट स्टाइलिश एक्टर, किंग ने इन हॉलीवुड एक्टर्स को दी टक्कर, हासिल किया ये नंबर

मुम्बई। बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाल शाहरुख खान ने अपना परचम दुनियाभर में लहराया है। एक्टर ने यह प्रूव कर दिया है कि वह किंग की कुर्सी पर बैठने के सबसे बड़े हकदार क्यों हैं। इससे पहले भी शाहरुख खान दुनिया के सबसे मशहूर हस्तियों में अपना नाम दर्ज करवा चुके हैं। अब किंग खान का नाम विश्व स्तर पर एक और सूची में हॉलीवुड स्टार्स के साथ शामिल हुआ है। बता दें कि, एक्टर दुनिया के सबसे स्टाइलिश सितारों में शामिल हो चुके हैं। आइए आपको बताते हैं स्टाइलिंग के मामले में शाहरुख खान ने कौन-सा नंबर हासिल किया है? बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे अभिनय के बादशाह ही नहीं, बल्कि ग्लोबल स्टाइल आइकॉन भी है। लोकप्रिय न्यूयॉर्क टाइम्स ने साल 2025 की दुनिया की 67 सबसे स्टाइलिश हस्तियों की लिस्ट जारी की है, जिसमें शाहरुख खान का नाम भी शामिल किया है। बात करें इस लिस्ट की, तो शाहरुख के साथ अंतरराष्ट्रीय सितारे सबरीना कारपेंटर, डोएची, विवियन विल्सन, निकोल शेर्जिंगर, वाल्टन गर्गिस, जेनिफर लारेंस, शाई गिलजियस अलेक्जेंडर, कोल एस्कोला और नोआ वाइल जैसी हस्तियां भी शामिल हैं। आपको बता दें कि, यह सूची उन व्यक्तियों को सम्मानित करती है, जो फैशन, निजी अंदाज और उपस्थिति के माध्यम से ग्लोबल मंच पर एक अनोखी पहचान स्थापित की है। इस साल 60 साल के शाहरुख खान ने विशेष रूप से आयोजित मेट गाला के शानदार पर्दापण के लिए सराहा गया है। पहली बार इस प्रतिष्ठित फैशन इवेंट में शाहरुख खान शिरकत करते नजर आए और उनके लुक ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। एक्टर ने भारतीय डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी की बेमिसाल कारीगरी वाली पोशाक पहनी थी, जिसमें भारतीय ब्यूटी का ग्लोबल अंदाज झलक रहा था। इतना ही नहीं, उनका 'के' अक्षर वाला क्रिस्टल जड़ा पेंडेंट भी पूरे लुक में चार चांद लगा रहा था। शाहरुख खान जल्द ही अपनी बेटी सुहाना खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आने वाले हैं। इस प्रोजेक्ट में दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिका निभाती दिखेंगी। 'पठान' के बाद एक बार फिर निर्देशक सिद्धार्थ आनंद, शाहरुख के साथ जुड़कर बड़े पर्दे पर अपना जादू बिखेरने की तैयारी में हैं।

कृतिका कामरा ने गौरव कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को सार्वजनिक किया

मुम्बई। महीनों की अटकलों के बाद अभिनेत्री कृतिका कामरा और टेलीविजन प्रजेंटेटर गौरव कपूर ने अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। कृतिका ने आज सोशल मीडिया पर गौरव के साथ कई तस्वीरें साझा कीं, जिससे प्रशंसकों को वह पुष्टि मिली जिसका उन्हें बेसब्री से इंतजार था। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, 'नाश्ते के साथ'। लंबे समय इन दोनों कपल की रिलेशनशिप चर्चाएं चल रही थीं। आज कृतिका ने इन चर्चाओं पर मोहर लगा दी है और गौरव कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल कर दिया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए कृतिका ने अपने रिश्ते को कंफर्म आखिरकार कर ही दिया है। इंस्टाग्राम पर कृतिका ने कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में कृतिका और गौरव दोनों ही नजर आ रहे हैं। इन प्यारी तस्वीरों में दोनों साथ में ब्रेकफास्ट करते और कॉफी पीते भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को साझा करते हुए कृतिका ने कैप्शन में केवल 'ब्रेकफास्ट विद' लिखा है। गौरतलब है कि गौरव कपूर का यूट्यूब पर एक शो आता है 'ब्रेकफास्ट विद गौरव कपूर', इसमें वह क्रिकेट सेलेब्स के साथ बातचीत करते हैं। शेयर की तस्वीरों में कृतिका और गौरव की सेल्फी भी है। इसके साथ ही एक वीडियो भी, जिसमें दोनों के कॉफी मग पर बेबी लिखा हुआ है।

उम्र के फासले पर उठी थीं उंगलियां,धुरंधर फेम सारा अर्जुन ने मुकेश छाबड़ा के लिए लिखी दिल छू लेने वाली बात

मुम्बई। एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने फिल्म 'धुरंधर' में अपनी दमदार एक्टिंग से सभी का दिल जीत लिया है। फिल्म इंडस्ट्री से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह सारा की अदाकारी की जमकर तारीफ हो रही है। हालांकि, शुरुआत में उनकी कास्टिंग विवादों में थी, क्योंकि उनके और लीड एक्टर रणवीर सिंह की उम्र में करीब 20 साल का बड़ा फासला था। इस बड़े एज गैप की वजह से, ऑन-स्क्रीन रोमांस को लेकर लोगों ने सवाल उठाए थे। लेकिन, फिल्म की रिलीज के बाद, सारा ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी आलोचनाओं को चुप करा दिया है और वह सिर्फ तारीफें बटोर रही हैं। इस चर्चा के बीच, सारा ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के लिए एक भावुक धन्यवाद नोट लिखा है। उन्होंने मुकेश को इस रोल के लिए उन्हें चुनने और दुनिया के नोटिस करने से पहले ही उन पर विश्वास जताने के लिए दिल से शुक्रिया कहा। मंगलवार को, सारा ने इंस्टाग्राम पर 'धुरंधर' के एक इवेंट की मुकेश के साथ अपनी तस्वीर शेयर की। उन्होंने नोट की शुरुआत में, मुकेश को वह इंसान बताया, जिसने उनकी जिंदगी का रुख बदल दिया।सारा ने लिखा, 'मेरे प्यारे मुकेश सर, कभी-कभी जिंदगी धीरे से आपके रास्ते में एक और मार्गदर्शक शख्स को ले आती है। मेरे लिए, वह शख्स आप हैं। दुनिया के नोटिस करने से पहले आपने मुझ पर विश्वास किया, और उस खामोश विश्वास ने सब कुछ बदल दिया। आपकी सहज बुद्धि, आपकी सोच और आपका दिल उस जादू को आकार देता है। आप वह देखते हैं जो अक्सर दूसरे लोग नहीं देख पाते। आप सिर्फ मौके नहीं देते। आप लोगों को बनने की जगह देते हैं।' सारा ने यह भी बताया कि उनका जुनून उन्हें गहराई से प्रेरित करता है। उन्होंने मुकेश को 'धुरंधर' में 'यालिना' का रोल देने और मुश्किल पलों में सहारा देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'मैकडॉनल्ड्स के विज्ञापन से लेकर धुरंधर तक, यह सफर किसी आशीर्वाद से कम नहीं लगता। मैं हमेशा उस विश्वास का सम्मान करूंगी जो आपने मुझ पर किया।' सारा के इस दिल छू लेने वाले नोट पर मुकेश छाबड़ा ने भी कमेंट किया, 'मुझे तो समझ ही नहीं आ रहा कि क्या कहूं। मैंने अभी-अभी आपकी पूरी पोस्ट पढ़ी है। मुझे अब भी आपका मेरे साथ पहला ऐड याद है, मैकडॉनल्ड्स का ऐड। और अब, आप यहां हैं, अपनी पहली पूरी फिल्म के साथ।'

रणबीर कपूर को नंगा बेशर्म आदमी कहकर पीयूष मिश्रा ने काट दिया बवाल

मुम्बई। दिग्गज एक्टर पीयूष मिश्रा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर के साथ काम करने के अपने अनुभव और दिवंगत इरफान को याद किया। यह बातचीत द लल्लनटॉप के साथ हुई, जहां मिश्रा ने दोनों एक्टर्स के व्यक्तित्व और करियर पर अपनी राय रखी। मिश्रा ने बताया कि जाने-माने फिल्मी परिवार से आने के बावजूद, रणबीर कपूर अपनी विरासत का 1 परसेंट भी बोझ नहीं उठाते। उन्होंने कहा, 'रणबीर अपनी विरासत का 1 परसेंट भी बोझ नहीं उठाते।' मिश्रा ने आगे कहा, 'अरे, पूछो ही मत, वो लड़का कुछ और ही है, इतना नंगा बेशर्म आदमी मैंने आज तक नहीं देखा।' मिश्रा ने कपूर को 'पूरी तरह से हल्का, पूरी तरह से आजाद' बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कपूर पर उनके पिता, दादा और परदादा पृथ्वीराज कपूर तक की लंबी विरासत का बिल्कुल भी दबाव नहीं है। सेट पर रणबीर काम के दौरान पूरी तरह फोकस रहते हैं, लेकिन शूटिंग खत्म होते ही तुरंत रिलैक्स हो जाते हैं। रणबीर कपूर पर बात करने के अलावा, मिश्रा ने दिवंगत एक्टर इरफान को भी श्रद्धांजलि दी। 2020 में कैंसर के कारण इरफान के निधन पर दुख जताते हुए मिश्रा ने कहा कि वह 'बहुत जल्दी चले गए' और वह 'बहुत अच्छे एक्टर थे'।

धुरंधर के दीवाने हुए मधुर भंडारकर, रणवीर सिंह समेत पूरी स्टार कास्ट की जमकर की तारीफ

मुम्बई। रणवीर सिंह की जासूसी थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है और इसे बहुत बेहतरीन रिव्यू मिल रहे हैं। फिल्म की कहानी, डायरेक्शन और खासकर सभी कलाकारों की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। फिल्ममेकर मधुर भंडारकर ने एक्स पर फिल्म का रिव्यू शेयर करते हुए इसे 'जबरदस्त, रोमांचक राइड' बताया। उन्होंने कहा कि यह एक टेंशन भरी और दिलचस्प थ्रिलर है जिसने उन्हें शुरू से अंत तक बांधे रखा। भंडारकर ने कहा कि लंबे समय बाद किसी फिल्म में सभी एक्टर्स अपने रोल में बिल्कुल फिट लगे, जिससे कहानी और सच्ची लगी। मधुर भंडारकर ने फिल्म की कास्ट की खास तौर पर तारीफ की। रणवीर सिंह (हमजा) को उन्होंने 'जंगली, जबरदस्त और शानदार' कहा। अक्षय खन्ना (खतरनाक क्राइम लॉर्ड) को 'खतरनाक, जबरदस्त' बताते हुए कहा कि वह पूरे तरह से शो चुरा लेते हैं, इसे 'प्योर मास्टरक्लास एक्टिंग' बताया। संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन और सारा अर्जुन के काम को भी शानदार बताया। उन्होंने कहा कि राकेश बेदी को खतरनाक नेता के रूप में देखना उनके लिए सरप्राइज था।इस तारीफ पर, इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल का रोल निभाने वाले एक्टर आर. माधवन ने भंडारकर का आभार व्यक्त किया।मधुर भंडारकर ने फिल्ममेकर आदित्य धर फिल्म्स को 'इतने पैशन और गहराई के साथ यह महत्वाकांक्षी फिल्म' बनाने के लिए सलाम किया और पूरी टीम को बधाई दी। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह एक्शन फिल्म 'धुरंधर', एक जासूस की कहानी है जो खतरे को खत्म करने के लिए दुश्मन के ग्रुप में घुसपैठ करता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब तक 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है।

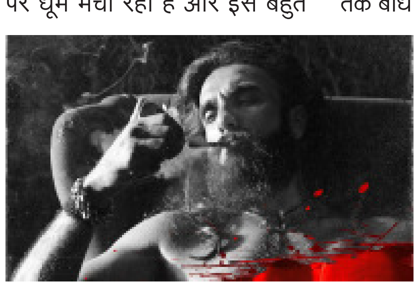

बॉलीवुड के सबसे बड़े परिवार की बहू का विदेश में बजा डंका

फ्लोरल गाउन में अवॉर्ड लेने पहुंचीं आलिया, बिखेरा जलवा

मुम्बई। बॉलीवुड में ऐसे कई परिवार हैं, जो दशकों से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। लेकिन, कपूर खानदान जितना पुराना और बड़ा शायद ही कोई परिवार है। जिसने राज कपूर से लेकर रणबीर कपूर तक, एक से बढ़कर सितारे इंडस्ट्री को दिए। वहीं, अब जब से घर में सुपरस्टार बहुरानी आलिया भट्ट ने कदम रखा है, वो भी इसका मान आगे बढ़ा रही हैं। अब हसीना को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में गोल्डन ग्लोब होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जिसकी तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। आलिया दूसरी बार फेस्टिवल का हिस्सा बनने के लिए सऊदी अरब के जेद्दा में गईं, जहां जाते ही उन्होंने सारी फिरंगी हसीनाओं को पीछे छोड़ बाजी अपने नाम कर ली। पहले ब्लैक ब्यूटी बनकर वह कहर ढा गईं, तो बाद में फ्लोरल ड्रेस में प्रिंसेस की तरह सजकर सामने आईं। जिससे तो नजरें ही नहीं हटीं। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस साल बॉलीवुड की ओर से सबसे पहले ऐश्वर्या राय पहुंचीं। जहां ऐश्वर्या ने दो लुक्स से जलवा बिखेरा, तो उसके बाद सलमान खान, कीर्ति सैनन और कार्तिक आर्यन भी फेस्टिवल का हिस्सा बने। लेकिन, 32 साल की आलिया ने अब जैसे ही एंट्री ली, तो उनके बेहद खूबसूरत लुक का एक अलग ही बज्ज देखने को मिला। जिसमें उन्हें रिया कपूर ने बड़ी- ही खूबसूरती से स्टाइल किया और आलिया दोनों ही लुक्स में बेहद स्टनिंग लगीं। पहले आलिया ब्लैक ड्रेस में अपनी ब्यूटी से सबको इंप्रेस कर गईं, तो अवॉर्ड लेने के लिए उन्होंने येलो फ्लोरल गाउन को चुना।जिसे पहन लिया।इस गाउन में वह बेहद ही प्यारी दिखीं। जिसे लाइट येलो बेस देते हुए कलरफुल फ्लोरल पैटर्न और सेक्विन एम्बेलिशमेंट से खूबसूरती से सजाया। जिसकी बॉडी हगिंग फिट ने उनके कर्व्स को कॉम्प्लिमेंट किया और हसीना का स्टाइल यहां गजब ढा गया। अब गाउन की डीटेल्स पर गौर करें, तो इसे स्ट्रैपलेस रखते हुए फ्लंजिंग स्वीटहार्ट नेकलाइन दी। वहीं, कॉर्सेट स्टाइल अपर पोर्शन को प्लीट्स बनाकर ड्रैप्ड डिजाइन दिया। ब्रेस्ट एरिया के एक साइड ड्रैप्ड पैटर्न है, तो दूसरी और प्लीट्स बनी हैं। जिसके साथ फ्लोड्स स्कर्ट का कॉम्बो परफेक्ट लगा। जिससे उनका लुक एलिगेंट के साथ ही क्लासी बन गया और इस पर बने पिंक, येलो और ग्रीन फ्लोरल प्रिंटेड डिजाइन शानदार लगे। आलिया के गाउन लुक में ड्रामे के साथ प्रिंसेस वाइब्स ऐड करने के लिए मैचिंग ट्रेल दी गई। जिसकी फ्लोर लेंथ हेम और फ्लोइ डिजाइन शानदार लगा रहा है। इस पर भी गाउन की तरह सेम टू सेम फूलों वाला डिजाइन बनाया है। जिसे मिनिमल ज्वेल्स के साथ कैरी करके हसीना ने दिल जीत लिया। आलिया ने अपने ब्लैक ब्यूटी लुक को डायमंड नेकलेस के साथ पेयर करके क्लासी फील दिया था, तो इस फ्लोरल गाउन के साथ उन्होंने सिंपलिसिटी को चुना और पिंक रोज वाले स्टड इयररिंग्स पहने दिखीं। जिसकी पेटल्स को ग्रीन रखा और शिमरी इफेक्ट दिया। जिन्होंने फ्लोरल प्रिंट को परफेक्ट तरीके से जस्टिफाई करते हुए लुक को एलिगेंट बना दिया।साथ ही वह रिंग भी पहने हुए हैं। आखिर में जब लुक को फाइनल टच देने की बारी आई, तो आलिया ने अपने बालों को मिडिल पार्टीशन के साथ सॉफ्ट वैवी टच देकर ओपन छोड़ दिया। वहीं, पिंक सॉफ्ट लिप्स के साथ सटल मेकअप फीचर्स को एन्हांस कर रहे हैं। जहां ब्लश चीक्स और हाइलाइट चेहरे पर चमक ले आए और आलिया का अंदाज हेड टू टो परफेक्ट बन गया।

तीन तीन महीने की बेटी को खो दिया था

सुनीता आहूजा ने जिंदगी की सबसे मुश्किल घड़ी के बारे में बात की

मुम्बई। अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने अपनी जिंदगी के एक बेहद दर्दनाक अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि अपनी तीन महीने की बेटी को अपनी बाहों में खो देना उनकी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर था। यह दुखद घटना उनकी दूसरी संतान के साथ हुई थी, जिसकी प्रीमैच्योर डिलीवरी हुई थी।

सुनीता आहूजा ने यह बात उषा काकडे के यूट्यूब चैनल पर एक इंटरव्यू के दौरान बताई। जब उनसे उनकी जिंदगी के सबसे कठिन समय के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने उसी समय का जिक्र किया जब उन्होंने अपनी दूसरी संतान, एक प्रीमैच्योर बच्ची को खो दिया था। पीछे मुड़कर उस पल को याद करते हुए सुनीता ने बताया, 'जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई थी, तो वह समय से पहले हुई थी। वह तीन महीने तक मेरी बाहों में रही, लेकिन उसके फेफड़े ठीक से विकसित नहीं हुए थे।' उन्होंने भावुक होते हुए कहा, 'आखिरकार, एक रात, वह ठीक से सांस नहीं ले पाई, और मेरी बाहों में ही उसकी मौत हो गई। यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था। आज मेरे पास दो बेटियां और एक बेटे सहित तीन बच्चे हो सकते थे।' 2024 में, सुनीता ने एक और इंटरव्यू में अपनी बेटी को खोने के बारे में बात की थी। उस समय उन्होंने बताया था, 'उस समय मेरी हालत बहुत खराब थी। वह आठ महीने में पैदा हुई थी, लेकिन हमने उसे तीन महीने बाद खो दिया।' उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा था कि उन्हें अपनी पहली डिलीवरी आसानी से होने के कारण ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया, 'मुझे नहीं पता था कि मुझे भारी सामान नहीं उठाना चाहिए, इसलिए मैंने सिंगापुर से चॉकलेट के भारी बैग उठाए, और जब मैं मुंबई पहुंची तो मेरी पानी की थैली फट गई।' गोविंदा और सुनीता आहूजा ने 1987 में शादी की थी, उस समय गोविंदा बॉलीवुड में स्टार नहीं बने थे। इस जोड़े ने अपनी शादी को गुप्त रखा और अगले साल अपनी बेटी टीना आहूजा के जन्म के बाद ही इसका खुलासा किया। उनका एक बेटा भी है, जिसका नाम यशवर्धन है, जिसका जन्म 1997 में हुआ। जहां टीना पहले ही बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं, वहीं यशवर्धन जल्द ही साई राजेश की एक फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में उनके तलाक की अफवाहें उड़ी थीं, लेकिन कपल ने इन खबरों का खंडन किया है। सुनीता आहूजा ने हाल ही में व्लॉग पोस्ट करके अपनी जिंदगी का एक नया चैप्टर भी शुरू किया है।

प्रीति जिंटा ने 18 करोड़ रुपये के लोन के दावे को लेकर केरल कांग्रेस की आलोचना की कहा-'शर्म करो'

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा पर 18 करोड़ रुपये का लोन माफ करने और अपने सोशल मीडिया अकाउंट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सौंपने का आरोप लगाए जाने के बाद राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। अभिनेत्री ने आरोपों का तुरंत खंडन किया और गलत सूचना फैलाने के लिए पार्टी और मीडिया आउटलेट दोनों की आलोचना की। प्रीति जिंटा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि एक राजनीतिक पार्टी द्वारा फर्जी खबरों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस लोन की बात हो रही है, उसका पूरा भुगतान एक दशक पहले ही कर दिया गया था। जिंटा ने एक्स पर लिखा 'नहीं, मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट खुद ही चलाती हूं, और आपको फेक न्यूज़ को बढ़ावा देने के लिए शर्म आनी चाहिए! किसी ने मेरे लिए कुछ भी या कोई लोन नहीं लिखा। मैं हैरान हूं कि कोई राजनीतिक पार्टी या उनका प्रतिनिधि मेरे नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल करके गंदी गपशप और क्लिकबेट में लिप्त है। उन्होंने आगे कहा: रिकॉर्ड के लिए, 10 साल पहले एक लोन लिया गया था और उसे पूरी तरह से चुकाया गया था। उम्मीद है कि यह स्पष्ट हो जाएगा और भविष्य में कोई गलतफहमी न हो, इसलिए मदद मिलेगी।' अभिनेत्री ने रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पुष्टि न करने के लिए मीडिया हाउस की भी आलोचना की। उन्होंने कहा 'बहुत सारी गलत सूचनाएं फैल रही हैं, लेकिन सोशल मीडिया और एक्स के लिए भगवान का शुक्रिया!' पत्रकारिता में अधिक जवाबदेही का आह्वान करते हुए, जिंटा ने पत्रकारों से विवादास्पद कहानियों में सार्वजनिक हस्तियों का नाम लेने से पहले तथ्यों की जाँच करने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, 'अगली बार, कृपया मुझे कॉल करें और मेरा नाम लेने से पहले पता करें कि कहानी सच है या नहीं।' जिंटा के खंडन के बाद, केरल कांग्रेस ने एक्स पर जवाब दिया, जिसमें कहा गया कि उन्होंने केवल मीडिया सूचना द्वारा बताई गई जानकारी साझा की थी। पार्टी की पोस्ट में लिखा था यह जानकर अच्छा लगा कि आप खुद ही अपने अकाउंट प्रबंधित कर रही हैं, 'बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा का 18 करोड़ का ऋण बिना उचित वसूली प्रक्रियाओं के माफ़ कर दिया गया।' उन्होंने धोखाधड़ी से ऋण माफ करने के आरोपों का भी हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया कि कई ऋण गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में बदल गए और उन्हें अन्य बैंकों के माध्यम से डायवर्ट किया गया।विवाद से पहले, प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर बढ़ती नकारात्मकता के बारे में बात की थी, खासकर सार्वजनिक हस्तियों के प्रति।

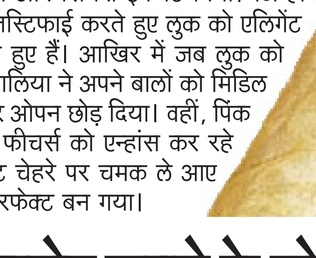

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।